प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

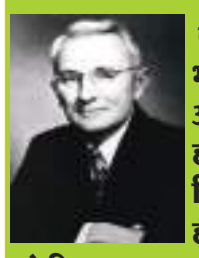

यदि भाग्य आपके हाथ में निम्बू ही दे, तो निम्बू का शरबत बना लें।

डेल कार्नेगी

वर्ष-03, अंक - 47 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 26 अगस्त 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

अब व्हाट्सएप के जरिए भी बुक कर सकेंगे वैक्सीन स्लॉट

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि, कोविड रोधी टीकाकरण के लिए स्लॉट (समय) अब व्हाट्सएप के जरिए भी बुक कराया जा सकता है।

मांडविया ने ट्वीट किया, नागरिक सुविधा के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त किया गया है। अब आप अपने फोन से कुछ ही मिनटों में कोविड-19 टीकाकरण के लिए आसानी से स्लॉट बुक करा सकते हैं। इसके लिए आपको व्हाट्सएप पर 'माई गोव व्हाट्सएप हेल्पडेस्क' पर बुक स्लॉट भेजना होगा, ओटीपी को सत्यापित करना होगा एवं अन्य चरणों का अनुसरण करना होगा।

इस बीच व्हाट्सएप ने कहा कि वह अपने मंच के माध्यम से लोगों को निकटतम टीकाकरण केंद्र का पता लगाने व इसके लिए स्लॉट बुक करने की सुविधा देगा। माइगोव के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक सिंह ने कहा कि, यह प्लेटफॉर्म कोविड संबंधी तकनीकी समाधान के रूप में अग्रणी रहा है, जिससे देश के लाखों लोगों को लाभ हुआ है। माइगोव कोरोना हेल्पडेस्क की शुरुआत मार्च 2020 में की गई थी।

ऐसे स्लॉट बुक करें

व्हाट्सएप के जरिए माईजीओवीइंडिया कोरोना हेल्पडेस्क को 'बुक स्लॉट' लिखकर भेजेंगे तो आपका वैक्सीनेशन स्लॉट बुक हो जाएगा। इसके लिए आपको मोबाइल नंबर 9013151515 पर व्हाट्सएप करना होगा।

स्कूलों को लेकर मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान

भोपाल। एक तरफमध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने ऐलान किया है कि, सितंबर के दूसरे सप्ताह से कक्षा 1 से 8वीं तक के स्कूलों को खोला जाएगा वही दूसरी तरफमुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बड़ा बयान सामने आया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि, प्रदेश की सभी शालाओं में प्रतिवर्ष संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मध्यप्रदेश सरकार, महर्षि संस्थान, संस्कृत भारती, अन्य संस्थाओं और संतों के साथ मिलकर जन-जन तक संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। मैं इस संस्कृत सप्ताह के सफल आयोजन के लिए बधाई देता हूं। संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। हमारे वेद, ज्ञान, विज्ञान, शिल्प, कला, कौशल और अध्यात्म का भंडार हैं। दुनिया के अनेक देशों ने हमारे ग्रंथ का वैज्ञानिक अध्ययन कर अपने विकास और प्रगति के लिए कई चीजें निकाली हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मन में एक पीड़ा होती है कि हम पश्चिम के प्रभाव के कारण हम अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे हैं। मैं महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान एवं संस्कृत भारती मध्यप्रदेश को धन्यवाद देता हूँ जो संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास कर रहे हैं। यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष हो और शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्कृत का ज्ञान हो, इसका प्रयास मध्यप्रदेश सरकार करेगी। मैं संस्कृत सप्ताह के आयोजन के लिए सभी को बधाई देता हूँ।

कोरोना संक्रमण में माता-पिता को खोने वाले विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा देगा फिटजी

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी नाम एफआइआइटीजेईई (फिटजी) ने उन बच्चों की मदद के लिए पहल की है, जिन्होंने कोरोना संक्रमण के दौरान आपने माता-पिता दोनों को खो दिया है।

एफआइआइटीजेईई का कहना है कि, हम उन हजारों बच्चों की दुर्दशा को देखकर दुखी हैं, जिन्होंने कोरोना महामारी के चलते अपने माता-पिता को खो दिया है। हमने ऐसे विद्यार्थियों को बड़े पैमाने पर योगदान देने की कोशिश के तहत कोरोना नीति निर्धारित की है। इसके तहत हम उन विद्यार्थियों से कोई शुल्क नहीं लेंगे, जिन्होंने मार्च 2020 के बाद कोरोना महामारी के चलते अपने माता-पिता दोनों को खो दिया है। इसके साथ ही पहले से अध्ययनरत उन विद्यार्थियों की फीस माफकर दी जाएगी, जिन्होंने कोरोना के चलते माता या पिता (घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य) को खो दिया हो। उन्हें भविष्य में ट्यूशन फीस ही नहीं, बल्कि अध्ययन सामग्री के लिए भी किसी प्रकार का भुगतान नहीं करना होगा। संस्थान की कोरोना नीति के बारे में अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी किसी निकटतम फिटजी केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

बढ़ेगी भारत की ताकत, इसी साल मिल सकता है रूस का एस-400 मिसाइल रक्षा सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को साल 2023 तक रूस में निर्मित क्रिवाक श्रेणी का पहला जंगी जहाज मिल जाएगा। यूनाइटेड शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन (यूएससी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलेक्सी रखमानोव ने यह भरोसा दिलाया। इसके अलावा भारत को इस साल के आखरी तक रूसी मिसाइल रक्षा सिस्टम एस-400 भी मिलने की उम्मीद है।

मॉस्को में आयोजित 'आर्मी-2021' को संबोधित करते हुए रखमानोव ने कहा, 'कोरोना संकट के चलते क्रिवाक श्रेणी के जहाज के निर्माण में कुछ अड़चनें आई। यह प्रोजेक्ट लगभग आठ महीने पीछे चल रहा है। भारत को 2023 के मध्य तक दो में से एक जहाज सौंप दिया जाएगा।'

रूसी अधिकारी ने बताया कि, यानतार बंदरगाह पर जहाज के निर्माण में योगदान देने के लिए भारतीय तकनीशियनों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इससे गोवा शिपयार्ड लिमिटेड में क्रिवाक श्रेणी के दो जंगी जहाज के निर्माण की भावी योजना को साकार करने में मदद मिलेगी।

रखमानोव ने कहा, 'हम चाहते हैं कि, भारतीय तकनीशियन जहाज बनते देखें, ताकि वे इसकी तकनीक एवं प्रौद्योगिकी से अच्छी तरह वाकिफहो सकें। इससे दूसरे चरण के तहत गोवा शिपयार्ड में जहाज का निर्माण आसान हो जाएगा। भारतीय तकनीशियन न सिर्फकलपुर्जे जोड़ने, बल्कि प्रौद्योगिकी को अंतिम रूप देने में भी सक्षम बन पाएंगे।'

सीएए को लेकर केंद्रीय मंत्री श्री पुरी ने विपक्ष पर कसा तंज

नई दिल्ली। अफगानिस्तान से अफगान सिखों और हिंदुओं को भारत लाए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के महत्व को रेखांकित किया और कानून का विरोध करने वालों पर निशाना साधा। श्री पुरी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, 228 भारतीय नागरिकों समेत 626 लोगों को अब तक अफगानिस्तान से निकालकर लाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से 77 अफगान सिखों को लाया गया है।

पुरी ने किसी का नाम लिए बिना संवाददाताओं से कहा, सीएए को लागू करने का विरोध कर रहे, लोग आज इसकी कट ऑफ तारीख को 2014 से बढ़ाकर 2021 करने की मांग कर रहे हैं। इससे पहले, अकाली दल के नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया था कि, सीएए में संशोधन कर इसके दायरे में अफगानिस्तान के सिखों और हिंदुओं को लाया जाए, जिन्होंने भारत में शरण ली है।

अकाली दल नेता ने शाह को लिखे पत्र के साथ ट्वीट किया, अमित शाह जी और भारत सरकार से सीएए में आवश्यक संशोधन करके इसमें अफगानिस्तान के सिखों और हिंदुओं को शामिल करने का अनुरोध करते हैं जिन्होंने 2020 और 2021 में भारत में शरण ली है। इससे पहले श्री पुरी और केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने काबुल से एअर इंडिया की विशेष उड़ान से ताजिकिस्तान के दुशाम्बे के रास्ते भारत पहुंचे 44 अफगान सिखों की अगवानी की तथा गुरु ग्रंथ साहिब की तीन प्रतियां प्राप्त कीं।

श्री पुरी ने कहा कि, आज तीन गुरु ग्रंथ साहिब स्वरूप लाए गए। यह व्यक्तिगत रूप से सिख होने के नाते भावनात्मक अनुभव था। जिन सेवादारों को भारत लाया गया है, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत माता का शुक्रिया अदा किया है।

राजस्थान के बाड़मेर में बड़ा हादसा

आईएएफ का मिग-21 बाइसन विमान क्रैश

नई दिल्ली। राजस्थान के बाड़मेर में भारतीय वायु सेना का मिग-21 बाइसन फाइटर जेट क्रैश हो गया है। घटना में पायलट सुरक्षित है। बताया जा रहा है कि, यह हादसा ट्रेनिंग के दौरान हुआ है। राहत की बात रही है कि, यह विमान किसी रिहायशी इलाके में नहीं गिरा। विमान के क्रैश होने के बाद उसमें भीषण आग लग गई। मौके पर भारी संख्या में आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

बता दें कि इससे पहले मई महीने में पंजाब के मोगा जिले में वायु सेना का एक मिग-21 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के एक पायलट की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया था कि उस समय विमान नियमित प्रशिक्षण के लिए उड़ान भर रहा था, तभी वो हादसे का शिकार हो गया।

पुलिस और वायुसेना को पायलट का पता लगाने में 3 घंटे से ज्यादा का समय लगा था। पुलिस ने कहा था कि, वह दुर्घटनाग्रस्त इलाके के करीब 8 एकड़ गांव के खेतों में मृत पाया गया था। जानकारी मिली थी कि, रात करीब साढ़े नौ बजे जेट दुर्घटनाग्रस्त हुआ लेकिन रात करीब साढ़े 11 बजे इसका पता तब चला जब मोगा पुलिस के आला अधिकारी गांव पहुंचे और पायलट की तलाश शुरू की थी।

5 सितंबर से पहले सभी शिक्षकों को टीका लगाने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने जानकारी दी कि, सभी राज्यों को अगस्त महीने में कोरोना वैक्सीन की 2 करोड़ अतिरिक्त खुराक प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने सभी राज्यों से अनुरोध किया है कि, 5 सितंबर को मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस से पहले सभी स्कूल शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर टीकाकरण करने का प्रयास करें।

मंडाविया ने ट्वीट किया कि, इस महीने हर राज्य को वैक्सीन उपलब्ध करवाने की योजना के अतिरिक्त 2 करोड़ से ज़्यादा वैक्सीन की डोज़ उपलब्ध कराई जा रही हैं। हमने सभी राज्यों से अनुरोध किया है कि 5 सितंबर को मनाए जाने वाले शिक्षक दिवस से पहले सभी स्कूली शिक्षकों को प्राथमिकता देकर वैक्सीन लगाने का प्रयास करें।

आईपीएल 2021: विराट की टीम में इंग्लिश तेज गेंदबाज की एंट्री

मुम्बई। आईपीएल 2021 के दूसरे चरण का आगाज 19 सितंबर से होगा। इससे पहले अलग-अलग टीमों में बदलाव और रिप्लेसमेंट का दौर भी जारी है। इसी बीच रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जॉर्ज गार्टन को अपनी टीम में जोड़ा है। विराट की टीम ने गार्टन को ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज केन रिचर्ड्सन की जगह शामिल किया है। इससे पहले आरसीबी ने श्रीलंका के स्टार गेंदबाज वानिंदु हसरंगा को अपनी टीम में जोड़ा था। हसरंगा को एडम जंपा की जगह टीम में शामिल किया गया है।

हसरंगा के अलावा आरसीबी ने श्रीलंकाई तेज गेंदबाज दुश्मांता चामीरा को भी चुना है। चमीरा ऑस्ट्रेलिया के डेनियल सैम्स की जगह लेंगे। वहीं, बिग बैश में शानदार प्रदर्शन करने वाले टिम डेविड को न्यूजीलैंड के फिन एलेन के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। दूसरे चरण में पहली बार सिंगापुर का कोई क्रिकेटर इसका हिस्सा बनेगा। डेविड ऑस्ट्रेलियाई मूल के खिलाड़ी हैं और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सिंगापुर का प्रतिनिधित्व करते हैं। बता दें कि आईपीएल 2021 के दूसरे चरण से पहले आरसीबी में बड़ा उथल पुथल हुआ है। मालूम हो कि टीम के मुख्य कोच साइमन कैटिच ने इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह टीम के 'द डायरेक्टर ऑफक्रिकेट ऑपरेशन' माइक हेसन को टीम का मुख्य कोच बनाया गया है।

विश्व चैंपियनशिप से हटे ओलंपिक मेडलिस्ट रवि दहिया

नई दिल्ली। ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट रवि दहिया ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप से हटने का फैसला किया है। दहिया को अगले हफ्ते से शुरू होने वाले रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के ट्रायल्स में हिस्सा लेने का समय नहीं मिला और इस वजह से उन्होंने इसमें हिस्सा लेने से इन्कार कर दिया है। ट्रायल्स की शुरुआत मंगलवार से होगी जबकि टूर्नामेंट नॉर्वे के ओस्लो में दो अक्तूबर से शुरू होगा। दहिया ने कहा, 'मैं बिना तैयारी के मैट पर नहीं उतरना चाहता हूं/ बिना जरूरी अभ्यास के खेलने का कोई मतलब नहीं है, इसीलिए मैंने चैंपियनशिप से हटने का फैसला किया है।'

अफगान में असर दिखाने लगा पाक, भारतीय मिशन पर कराया हमला? वीजा और पासपोर्ट लूट लिए

नई दिल्ली। अफगानिस्तान से लोगों को भारत लाने में जुटे एक भारतीय मिशन के कार्यालय पर कुछ उर्दू भाषी लोगों के हमला करने की खबर है। खबर यह भी है कि इन लोगों ने उस काउंटर पर हमला किया जहां भारतीय वीजा दिया जा रहा था और हमलावरों ने भारतीय वीजा के साथ अनगिनत पासपोर्ट भी लूट लिए हैं। इसके बाद से ही अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं क्योंकि सबसे बड़ा खतरा यह है कि इन वीजा का भविष्य में आतंकी गलत इस्तेमाल कर सकते हैं।

मिली जानकारी अनुसार यह हमला 15 अगस्त को हुआ, जिस जिन तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जे का ऐलान किया था। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि, भारतीय इमिग्रेशन एजेंसियां इस घटना के बाद से अलर्ट हैं क्योंकि भविष्य में इन दस्तावेजों का इस्तेमाल आतंकवादी फर्जी पासपोर्ट बनवाने के लिए कर सकते हैं।

12 वी की छात्रा को तीन युवकों ने बनाया अपनी हवस का शिकार, केस दर्ज

इंदौर। दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कहीं बुजुर्ग 12 साल की मासूम को अपनी हवस का शिकार बनाता है। तो कहीं पति अपनी पत्नी से दुष्कर्म कर बैठता है। अब ताजा मामला इंदौर का है। जहां एक 12वीं की छात्रा के साथ तीन युवकों ने गैंगरेप की घटना को अंजाम दिया। जिसके बाद पीड़िता और उसके परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर किया दुष्कर्म

घटना 23 अगस्त लसूड़िया थाना क्षेत्र की है। पीड़िता द्वारा थाने में की गई शिकायत में बताया कि, वह अपने दोस्तों के साथ मांडू पिकनिक मनाने जा रही थी। उसकी दोस्त पूजा अपने तीन दोस्तों के साथ उसके घर आई। जहां से उसको कार में बिठाकर सभी मांडू के लिए निकल गए। वहीं रास्ते में लौटते समय करीब 4 बजे एक दोस्त ने उसे कोल्ड ड्रिंक का ऑफर दिया। जिसे पीकर पीड़िता को चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गई।

पीड़िता ने आगे बताया कि, उसको रात में करीब 10 बजे होश आया। जहां उसने खुद को एक कमरे में पाया और जहां पर उसके साथ बारी-बारी से तीनों युवकों ने गैंगरेप किया। इस बीच पीड़िता को कुछ देर में होश आता रहा। जिसमें उसने देखा कि उसके साथ गलत काम हो रहा है।

सहेली ने भी दिया आरोपियों का साथ

पीड़िता ने आगे बताया कि जब तीनों युवकों ने उसके साथ दुष्कर्म किया, और उसके बाद सभी कमरे में आकर पीड़िता के साथ मारपीट करने लगे और उसे धमकाने लगे। वहीं पीड़िता को पुलिस में शिकायत नहीं करने को भी कहा साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने बताया कि जब उसके साथ तीनों युवक मारपीट कर रहे थे तो उस वक्त उसकी सहेली पूजा भी मौजूद थी और वह खड़े होकर सब कुछ देख रही थी। बाद में सभी ने पीड़िता को नशे की हालत में ही एक रोड पर छोड़ दिया। जहां से उसने अपने माता पिता को संपर्क किया।

बेटी के साथ दुष्कर्म की घटना की सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। जहां से पीड़िता को परिजनों ने लसूडिया थाना ले गए। और वहां पर पूजा, आशीष, निपुल और रितेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर चारों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल सभी आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

यूपी में अलीगढ़ के बाद अब ओर शहरों के बदलेंगे नाम

लखनऊ, एजेंसी। उत्तरप्रदेश में कुछ ओर जगहों के नाम बदल सकते हैं। अब पूर्वांचल के ज़िले मिर्ज़ापुर का नाम विंध्यधाम करने और उन्नाव के मियागंज ब्लॉक का नाम मायागंज करने की मांग उठी है। उन्नाव के डीएम रविन्द्र कुमार ने मियागंज का नाम मायागंज करने का प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। इस बीच, योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्री रमाशंकर सिंह पटेल ने मिर्ज़ापुर का नाम विंध्यधाम करने की मांग की है। इसके पहले अलीगढ़, मैनपुरी और फ़िरोज़ाबाद के नाम बदलने के प्रस्ताव भी यहां की ज़िला पंचायतों ने सरकार को भेजे हैं।

अलीगढ़ का नाम पैगम्बर मोहम्मद साहब के दामाद और खलीफा हज़रत अली के नाम पर रखा गया था। अब अलीगढ़ की ज़िला पंचायत ने अलीगढ़ का नाम हरिनगर और अलीगढ़ एयरपोर्ट का नाम कल्याण सिंह के नाम पर रखने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। अलीगढ़ ज़िला पंचायत के अध्यक्ष विजय सिंह ने कहा था कि, प्रस्ताव राज्य सरकार को स्वीकृति के लिए भेज दिया गया है, एयरपोर्ट का नाम पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह (अब स्?वर्गीय) के नाम पर रखे जाने का प्रस्ताव भी मंजूर कर यूपी सरकार को भेजा गया था। कल्याण सिंह का जन्म अलीगढ़ में हुआ था।

इसी तरह फ़िरोज़ाबाद का नाम राजा चंद्रसेन के नाम पर चंद्रनगर करने का प्रस्ताव फ़िरोज़ाबाद ज़िला पंचायत ने सरकार को भेजा है, समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह के इलाके मैनपुरी का नाम मयन नगर करने का प्रस्ताव भी वहां की ज़िला पंचायत ने पास करके सरकार के पास भेजा है, इसके पहले 2018 में योगी सरकार इलाहाबाद का नाम प्रयागराज और फैज़ाबाद ज़िले का नाम अयोध्या कर चुकी है।

उपचुनावों के पहले कांग्रेस ने जुटाए आदिवासी

अब आदिवासियों को साधने की कवायद, कांग्रेस निकली आगे

भोपाल

प्रदेश में होने वाले उपचुनावों को लेकर वोट बैंक को लेकर जमावट तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने जहां ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण का मुद्दा कांग्रेस से छीनकर अपने हाथ में लेने के लिए भोपाल से दिल्ली तक बिसात बिछा दी है। वहीं खुद को पिछड़ा वर्ग का सबसे बड़ा हितैषी बताने वाली कांग्रेस अब आदिवासियों को साधने में जुट गई है। इसके लिए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने खुद आगे आकर आदिवासियों को राजधानी में एकत्रित करने की पहल की है।

असल में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाथ ने एक पत्र लिखकर प्रदेश भर से आदिवासियों को आदिवासी सम्मेलन में बुलाया है। इसे नाम भी 'आदिवासियों का सम्मेलन' दिया गया है। वैसे तो आदिवासी विकास परिषद के जरिए कांग्रेस हमेशा से ही इस वर्ग के बीच सक्रिय बनी रही है। इसकी कमान भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कांतिलाल भूरिया संभालते रहे हैं। इस संगठन में कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक बाला बच्चन, उमंग सिंघार, फुंदेलाल मार्को सहित बड़ी संख्या में नेता शामिल हैं। वहीं 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष नाथ ने जयस से जुड़े हीरालाल अलावा को कांग्रेस से टिकट देकर एक बड़ा दांव खेला था। इसका फायदा भी आदिवासी सीटों पर कांग्रेस को हुआ। अब उपचुनाव वाली तीन विधानसभा सीटों में से जोबट और रैगांव अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट हैं। कांग्रेस द्वारा आदिवासियों के सम्मेलन में दिखाई जा रही सक्रियता इन उपचुनावों का परिणाम ही माना जा रहा है। खासबात यह है कि इस सम्मेलन के जरिए आदिवासियों के सभी संगठनों को एक मंच पर लाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने अपने पत्र में ही सम्मेलन से जुड़ी मंशा को जाहिर कर दिया है। इस पत्र में पीसीसी चीफ ने प्रदेश में आदिवासियों का विकास न होने एवं लगातार शोषण बढ़ने की घटनाओं का खुलकर उल्लेख किया है तो खुद को आदिवासी बाहुल्य जिला छिंदवाड़ा का निवासी बताते हुए अपना झुकाव और जुड़ाव इस वर्ग के बढ़ाने की कोशिश की है। इस आदिवासी सम्मेलन के बाद कांग्रेस जल्द ही दोनों जनजातीय बाहुल्य विधानसभा सीटों पर अपनी गतिविधियां बढ़ा सकती है।

भाजपा ने भी मोर्चे को किया सक्रिय

दूसरी तरफ भाजपा ने जोबट और रैगांव को अपने टारगेट पर ले रखा है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री व प्रदेश संगठन के प्रभारी शिवप्रकाश सतना में पहले ही डेरा डाल चुके हैं। वे रैगांव विधानसभा के मैदानी नेताओं की बैठक भी ले चुके हैं। वहीं प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा जोबट में तीन दिन का दौरा हाल ही में कर चुके हैं। वे बूथ स्तर तक अपनी पहुंच बनाने में कामयाब रहे हैं। इसके अलावा भाजपा ने अपने अनुसूचित जनजाति मोर्चे को उपचुनावों वाले क्षेत्रों में सक्रिय कर दिया है। हाल ही में मोर्चे की टीम घोषित करने के साथ ही जिलों की टीम भी जल्द बनाने के निर्देश दिए हैं। चुनावों को देखते हुए दोनों जिलों में मोर्चे के पदाधिकारी जल्द ही डेरा डाल सकते हैं।

कांग्रेस नेत्री की पदयात्रा पहुंचेगी भोपाल, कमल नाथ करेंगे स्वागत

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान के लिए कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक एवं प्रदेश प्रवक्ता नूरी खान की अगस्त क्रांति पदयात्रा कल भोपाल पहुंचेगी। यह यात्रा 15 अगस्त से बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई थी। कल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय परिसर में प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ पदयात्रियों का स्वागत कर यात्रा का समापन करेंगे। यह यात्रा देवास, सोनकच्छ, आष्टा, सीहोर होते हुए भोपाल पहुंचेगी। यात्रा के दौरान कांग्रेस नेत्री नूरी खान ने जहां महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर जन जागरण किया। वहीं भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, अनियमितताओं के मामलों पर प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ भी जमकर हल्ला बोला। करीब 250 किमी की अगस्त क्रांति पदयात्रा के माध्यम से सुश्री नूरी खान ने जनता के बीच जाकर बताया कि भाजपा राज में महिलाएं सुरक्षित नहीं है, महिला अपराध और उत्पीड़न के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण लाखों लोगों की रोजी-रोटी छिन गई, जिनके रोजगार बचे उन्हें भी कम वेतन दिया जा रहा है, महंगाई चरम पर है।

किसान नेता और कांग्रेस का आरोप, प्रदेश सरकार की लापरवाही के कारण केंद्र नहीं दे रहा किसान योजनाओं का फंड

भोपाल

मप्र की भाजपा सरकार किसानों की आय को दोगुना करने और खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है, लेकिन फंड की कमी के चलते ये योजनाओं ठीक तरीके से क्रियान्वित नहीं हो पा रही है। केंद्र सरकार अपनी प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना में किसानों को कृषि उपकरण और सिंचाई के लिए ड्रिप स्प्रिंकलर खरीदने के लिए अनुदान देती है लेकिन केंद्र द्वारा इस साल मप्र को इस योजना में कोई फंड नहीं मिलने से किसानों को मिलने वाले अनुदान पर संकट खड़ा हो गया है।

इन योजनाओं में अभी तक नहीं मिला फंड

सूत्रों के मुताबिक स्वाइल हेल्थ कार्ड में 23.72 करोड़ रुपए, ट्रेक्टर-ट्राली अनुदान में 40.20 करोड़,फार्म वाटर मैनेजमेंट में 20.75 करोड़, स्वाइल हेल्थ मैनेजमेंट में 11.69 करोड़ की राशि फंड के रूप में मिलना था ,लेकिन इन सभी योजनाओं में इस साल अब तक कोई भी राशि नहीं मिली है। ऐसे में किसानों की आय दोगुनी करने का सपना भला कैसे परवान चढ़ेगा। कांग्रेस ने भी सरकार की प्लानिंग पर सवाल उठाए हैं।

647 करोड़ में से मिले सिर्फ 87 करोड़

किसानों की आय दोगुना करने की तमाम योजनाओं में केंद्र और राज्य सरकार होती से जुड़ी 24 से ज्यादा योजनाओं का संचालन कर रही हैं। इन विभिन्न योजनाओं में केंद्र सरकार से 60 प्रतिशत अंश के रूप में मप्र को 647 करोड़ रुपए की राशि मिलना थी लेकिन 31 जुलाई तक मप्र को केवल 87 करोड़ रुपए मिल सके हैं। इनमें कृषि ग्राम विकास में 16.70 करोड़, एग्रीकल्चर एक्सटेंशन में 12.50 करोड़, सीड एंड प्लानिंग मटेरियल में 4.92 करोड़ और खाद्य सुरक्षा मिशन में 53 करोड़ रुपए की राशि मिल सकी है।

अपने हिस्से की मांग करे सरकार

किसानों से जुड़ी योजनाओं में केंद्र से मिलने वाला फंड न मिलने को लेकर कांग्रेस ने केंद्र और राज्य सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता अजय यादव का कहना है कि केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारें किसान विरोधी हैं। वे सिर्फ बातें करती हैं जबकि हकीकत में किसानों को कोई राहत नहीं मिल रही है। प्रदेश में किसानों का शोषण किया जा रहा है। केंद्र ने राज्य को मिलने वाला जो फंड रोक रखा है उसे जारी कराने के लिए राज्य सरकार को तत्काल केंद्र से अपना हिस्सा जारी करने की मांग करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ही किसानों की सच्ची हितैषी है।

राज्य सरकार लापरवाह, किसानों को नहीं मिल रहा योजनाओं का लाभ

किसान नेता शिवकुमार शर्मा कक्काजी का कहना है कि किसानों की हित की बात करने वाले मुख्यमंत्री गेंद केंद्र के पाले में फेंक देते हैं, जबकि इस पूरे मामले में राज्य सरकार ही ज्यादा लापरवाह दिखाई देती है। कक्काजी के मुताबिक केंद्र सरकार ने अब अलग अलग मदों में फंड रिलीज करने के लिए सभी विभागों को अपने बैंक खाते खोलने की शर्त लागू कर दी है। इसके जरिए अब सभी विभागों के मद में सीधे ही पैसा आएगा। जिससे यह राशि किसी और मद में न खर्च हो सके। कक्काजी आरोप लगाते हैं कि मप्र में कृषि से जुड़े कई विभागों के खाते ही नहीं खोले गए हैं। इससे किसानों को फंड नहीं मिल रहा है जिससे वे केंद्र और राज्यों की योजनाओं का कोई भी लाभ नहीं उठा पा रहे इस पूरे मामले को लेकर कृषि जानकारों का भी यही कहना है कि किसानों की आय दोगुना करने का वादा करने वाली केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार को किसानों को लेकर की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऐसा न होने से और किसान आंदोलन के चलते देश में सरकार के खिलाफ किसानों में गुस्सा पनप रहा है। ऐसे माहौल में केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारों को किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

कमल नाथ ने महाअभियान पर उठाए सवाल, वैक्सीन लगवाने की अपील

हमें कोरोना को हराना है वैक्सीन जरूर लगवाएं

भोपाल

वैक्सीनेशन के लिए प्रदेश में आज और कल आयोजित किए जा रहे महाअभियान को लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। हालांकि पीसीसी चीफ ने प्रदेश के नागरिकों से वैक्सीन लगवाने की अपील की है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा है कि मैं प्रदेश की जनता से अपील करता हूं कि जिन लोगों ने अभी तक कोरोना वैक्सीन नहीं लगवायी है वो जरूर लगवाएं, जिनका दूसरा डोज बाकी है वो भी इसे जरूर लगवाएं। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि प्रदेश में अभी भी बड़ी आबादी को कोरोना की वैक्सीन नहीं लगी है, दूसरे डोज का आंकड़ा तो बेहद कम है। साथ ही उन्होंने वैक्सीन के प्रति जागरूक करते हुए संदेश दिया है कि हमें कोरोना को हराना है और हम वैक्सीन से ही कोरोना को हरा सकते है। मगर दूसरी और

महाअभियान पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा है कि वैसे तो वैक्सीन की उपलब्धता प्रतिदिन होना चाहिये, ना कि सिर्फ महाअभियान में और न चरणबद्ध रूप में। सरकार एक-दो दिन का महाअभियान तो चलाती है। करोड़ों रुपए प्रचार-प्रसार पर खर्च करती है और आंकड़े बताकर खुद की पीठ थपथपाती है। श्री नाथ ने कहाकि सरकार एक दिन जश्न-उत्सव मनाती है और बाकी दिन प्रदेश की जनता वैक्सीन के डोज के लिये दर-दर भटकती है, लम्बी-लम्बी लाइनों में लगती है। उन्होंने कहाकि 21 जून के महाअभियान के पहले और बाद हम यह स्थिति देख चुके हैं।

राम मंदिर नहीं, अब राष्ट्रवाद के नाम पर बीजेपी जनता से मांगेगी वोट!

भोपाल

राम मंदिर नहीं अब राष्ट्रवाद के नाम पर बीजेपी वोट मांगने की तैयारी में है। राम मंदिर के मुद्दे पर सत्ता की कुर्सी तक पहुंची बीजेपी अब राष्ट्रवाद को लेकर लोगों के बीच जाएगी, बीजेपी ये बताने की कोशिश करेगी कि वह राष्ट्रवादी पार्टी है और यदि आप भी राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाना चाहते हैं तो आप भाजपा को वोट दीजिए। बढ़ती महंगाई , पेट्रोल-डीजल के दाम से जनता परेशान है, इन सबसे ध्यान हटाने की नई रणनीति बीजेपी तैयार कर ली है। देश की जनता महंगाई से जूझ रही है, लोगों की जेब लगातार खाली हो रही है, लेकिन बीजेपी इस मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है और वह राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ा कर उनसे वोट मांगेगी, ये तैयारी बीजेपी में अंदरूनी स्तर पर होने लगी है, पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को राष्ट्रवादी सोच का अलख जगाने के लिए कार्यक्रम भी शुरु कर दी है, बीजेपी ने अपने कार्यकर्ताओं को राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाने के साथ-साथ यह ट्रेनिंग भी दी है कि किस तरह से जनता में राष्ट्र भावना का अलख जगे और पार्टी को वोट दें। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पहले से ही राष्ट्रवाद का पाठ पढ़ाते हुए राष्ट्र भावना लोगों के मन में जगाने की कोशिश करता रहा है, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जोकि संघ (जरूर) की एक शाखा है, उसने भी 15 अगस्त से जो अभियान शुरू किया है, वह 15 अगस्त 2022 चलेगा, जिसके तहत एक गांव एक झंडा अभियान चलाया है जोकि लगातार चलता रहेगा, इसके बाद राष्ट्रवादी सोच के कार्यक्रमों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाएगी। राष्ट्रवाद के एजेंडे पर बीजेपी लोगों के बीच जा रही है, उसे भी लगता है कि लगातार महंगाई की मार से जनता नाराज है और इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए वह लोगों को राष्ट्रवाद से जोड़ना चाहती है, जिससे जनता महंगाई के साथ-साथ जो एंटी इनकंबेंसी फैक्टर है, उनको भूलकर बीजेपी के साथ आ जाएं, लेकिन बीजेपी जिस तरह सोशल मीडिया या फिर लोगों के बीच जाकर राष्ट्रवाद का राग गा रही है, उससे कांग्रेस चिंतित है और यही वजह है कि वह हमलावर है, कांग्रेस बता रही है कि राष्ट्रवाद के नाम पर बीजेपी ने सिर्फ लोगों को छला है, कोरोना में जो वादे किए थे, उसमें से सब पर राष्ट्रवाद का कफन चढ़ा दिया है।बीजेपी के कार्यकर्ता गांव-गांव शहर-शहर जाकर पहले राम मंदिर के नाम पर लोगों को एकजुट कर वोट मांगते दिखे और अब राष्ट्रवाद के नाम पर लोगों को एकजुट करने की कोशिश बीजेपी कर रही है, जिससे वोट बैंक उसके पक्ष में आ सके। हाल ही में देखा गया, जैसे दिग्विजय सिंह या फिर कांग्रेस के अन्य नेताओं को यह बताया जाता है कि राष्ट्र को जोड़ने की बजाय तोड़ने का काम कर रहे हैं, ऐसे लोग राष्ट्र का विघटन करने में लगे हैं।

कल्याण सिंह की कलश यात्रा निकालेगी भाजपा

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री और राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा रहे कल्याण सिंह 23 अगस्त को पंचतत्व में विलीन हो गए। अब बीजेपी उनके अस्थि कलश के साथ यात्रा निकालने की तैयारी में है। इसके लिए संघ और बीजेपी नेताओं ने मंथन करना शुरू कर दिया है। कलश यात्रा का पूरा रोडमैप तैयार किया जा रहा है। इस कलश यात्रा के जरिए स्वर्गीय कल्याण सिंह की अस्थियों को नरौरा के साथ-साथ काशी में गंगा, प्रयागराज में संगम और अयोध्या में सरयू नदी में विसर्जन की योजना बनाई गई है।पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का 21 अगस्त को लंबी बीमारी के बाद लखनऊ में निधन हो गया था। उसके बाद लखनऊ से लेकर अलीगढ़ और वहां से अतरौली व नरौरा तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस तरह से एक पुत्र अपने पिता को अंतिम विदाई देता है, उस तरह से अंतिम यात्रा में साथ रहे। अब बीजेपी और संघ उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह की अस्थि कलश के साथ कलश यात्रा निकालने की तैयारी में है। 27 अगस्त को नरौरा में कल्याण सिंह के अस्थि फूल चुने जाएंगे और 1 सितंबर को एक श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें तमाम बड़े नेता शामिल होंगे और पूर्व मुख्यमंत्री को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।सूत्रों के मुताबिक संघ के सह कार्यवाह कृष्ण गोपाल बीजेपी नेताओं के साथ मिलकर अस्थि कलश यात्रा को लेकर पूरी योजना तैयार कर रहे हैं। तारीख, स्थान और यात्रा का रूट आदि तय किये जा रहे हैं। जानकारी मिल रही है कि उनके अस्थि कलश को नरौरा के साथ-साथ काशी में गंगा, प्रयागराज में संगम और अयोध्या में सरयू नदी में विसर्जित किया जाएगा। इससे पहले प्रधानमंत्री से लेकर गृहमंत्री अमित शाह और तमाम बीजेपी के बड़े नेताओ ने कल्याण सिंह को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ने जताया शोक, विरोध में यूनिवर्सिटी में लगे पोस्टर

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का हाल ही में निधन हुआ है। उत्तर प्रदेश की अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ने पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया, लेकिन अब इसपर ही विवाद हो गया है। शोक जाहिर करने पर यूनिवर्सिटी के कुछ छात्रों ने ही अपने वाइस चांसलर का विरोध किया है। दरअसल, 22 अगस्त को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के कुलपति तारिक मंसूर ने शोक व्यक्त किया। इस शोक पत्र के बाद यूनिवर्सिटी के कैंपस में एक पोस्टर लगाया गया, जिसमें इस शोक संवेदना की निंदा की गई है। पोस्टर में लिखा गया है कि वाइस चांसलर द्वारा कल्याण सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करना शर्मनाक है, क्योंकि कल्याण सिंह बाबरी मस्जिद विध्वंस की घटना के मुख्य पात्रों में से एक थे और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया था। जो पोस्टर लगाया गया है, उसपर किसी संगठन या छात्र का नाम नहीं लिखा है। हालांकि, कुछ छात्र संगठनों ने इस पत्र का समर्थन किया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के राज्यपाल रहे कल्याण सिंह का 21 अगस्त को 89 साल की उम्र में निधन हुआ। कल्याण सिंह की गिनती भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में होती रही है, जिन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान अहम भूमिका निभाई थी। कल्याण सिंह के निधन के बाद एक विवाद और भी हुआ था। भारतीय जनता पार्टी की ओर से आरोप लगाया गया था कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की ओर से कल्याण सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि नहीं दी गई है। इसी को लेकर बीजेपी ने अखिलेश को ओबीसी विरोधी बताया था।

अश्लील वीडियो जारी होने के बाद भाजपा महासचिव का इस्तीफा

चेन्नई। तमिलनाडु बीजेपी के महासचिव केटी राघवन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राघवन का ये इस्तीफा पार्टी के ही एक अन्य नेता द्वारा यूट्यूब पर एक स्टिंग वीडियो जारी करने के बाद हुआ, वीडियो में दिख रहा है कि राघवन की कदकाठी का एक व्यक्ति पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता के साथ अश्लील वीडियो कॉल में लिप्त है। इस वीडियो को पार्टी के नेता मदन रविचंद्रन ने यूट्यूब पर जारी किया। दूसरी ओर केटी राघवन ने एक ट्वीट करके मामले में अपनी संलिप्तता से इनकार किया और कहा कि वह कानूनी एक्शन लेंगे। उन्होंने कहा,तमिलनाडु के लोग, पार्टी कार्यकर्ता और जो मेरे साथ हैं, वे जानते हैं कि मैं कौन हूं। पिछले 30 सालों से मैं बिना किसी लाभ के काम कर रहा हूं। राघवन ने लिखा, आज की सुबह मुझे सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो के बारे में पता चला। ये वीडियो मेरी और पार्टी की छवि खराब करने के लिए जारी किया गया है। मैंने राज्य के पार्टी अध्यक्ष अन्नामलाई के साथ मामले पर विचार किया। मैं अपने पद से इस्तीफा देता हूं। साथ ही इन आरोपों से इनकार करता हूं। न्याय की जीत होगी वहीं यूट्यूब पर अपने चैनल मदन डायरी पर वीडियो जारी करने वाले रविचंद्रन ने दावा कि उनकी टीम के पास ऐसे 15 नेताओं के ऑडियो क्लिप और वीडियो फुटेज हैं, जिन्हें आने वाले समय में जारी किया जाएगा।

निकाय चुनाव पर पड़ सकता है असर

बाल ठाकरे के जमाने से है नारायण राणे और उद्धव में अदावत

मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी के आरोप में गिरफ्तार किए गए केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को मंगलवार रात रायगढ़ जिले में महाड की एक अदालत ने जमानत दे दी। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री राणे की टिप्पणी को लेकर महाराष्ट्र में उनके खिलाफ चार प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। उन्हें रत्नागिरि पुलिस ने मंगलवार को दोपहर बाद गिरफ्तार किया था और फिर उन्हें महाड ले जाया गया। आइए हम आपको बताते हैं कि आखिर राणे और ठाकरे के बीच इतनी कड़वाहट क्यों है और मौजूदा स्थिति का आगामी निकाय चुनावों पर क्या असर पड़ेगा।69 वर्षीय नारायण राणे ने शिवसेना में एक 'शाखा प्रमुख' के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और साल 1999 में पहली शिवसेना-भाजपा सरकार में आठ महीने के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। इसी दौरान शिवसेना ने मनोहर जोशी को सीएम बना दिया। साल 2003 में, जब शिवसेना ने महाबलेश्वर में सम्मेलन में उद्धव ठाकरे को पार्टी के 'कार्यकारी अध्यक्ष' के रूप में नामित किया, तो

राणे ने इस कदम का विरोध किया और उद्धव के नेतृत्व को चुनौती दी इसके बाद साल 2005 में राणे पर पार्टी में पद और टिकटों को बेचने का आरोप लगने के बाद उन्हें 'पार्टी विरोधी गतिविधियों' के लिए तत्कालीन शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने पार्टी से निष्कासित कर दिया। मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई के नगर निकायों सहित एक दर्जन से अधिक नगर निगमों में अगले साल की शुरुआत में चुनाव होने वाले हैं। इस यात्रा को भाजपा का शुरुआती प्रचार अभियान माना जा रहा है। माना जा रहा है कि राणे को बृहन्मुंबई नगर निगम से शिवसेना की सत्ता हटाने के लिए अगुवा बनाया गया है। उद्धव ठाकरे के एक कटु प्रतिद्वंद्वी राणे ने मुंबई में शिवाजी पार्क में बाल ठाकरे स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके अपनी जनशिर्वाद यात्रा शुरू करके शिवसेना पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि भाजपा अगले साल की शुरुआत में होने वाले मुंबई निकाय चुनाव में जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा, 'भाजपा सत्ता में वापसी करेगी। हम बीएमसी में शिवसेना के तीन दशक के शासन का अंत करेंगे।'शिवसेना और ठाकरे परिवार पर नारायण राणे के हमले से बीजेपी को फायदे और नुकसान दोनों हैं। सूत्रों ने कहा कि यह कोंकण क्षेत्र से बड़ी आबादी वाले इलाकों में अगले साल की शुरुआत में बीएमसी चुनावों में भाजपा को शिवसेना का मुकाबला करने में मदद करेगा।

जब कांग्रेस में शामिल हो गए राणे

इसके तुरंत बाद, राणे दर्जनों विधायकों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। हालांकि, लगभग 40 विधायकों को अपने साथ लेकर शिवसेना को विभाजित करने के उनके प्रयास को शिवसेना ने विफल कर दिया। साल 2017 में राणे ने यह कहते हुए कांग्रेस छोड़ दी कि पार्टी में कोई गुंजाइश नहीं है और उन्होंने अपना खुद का संगठन, महाराष्ट्र स्वाभिमान पक्ष बनाया। बाद में, उन्होंने भाजपा को समर्थन की घोषणा की और राज्यसभा के लिए चुने गए और साल 2019 में अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया।राणे को शिवसेना पर खासकर ठाकरे परिवार पर तीखे हमले करने के लिए जाना जाता है। राणे ने शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की आलोचना नहीं की, लेकिन उद्धव ठाकरे पर उन्होंने लगातार निशाना साधा। इतने सालों में उन्होंने उद्धव की पत्नी रश्मि और बेटे आदित्य पर भी कटाक्ष किया।

राणे ने क्या कहा था?

राणे ने दावा किया था कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे यह भूल गए कि देश की आजादी को कितने साल हुए हैं। राणे ने रायगढ़ जिले में सोमवार को 'जन आशीर्वाद यात्रा' के दौरान कहा, 'यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री को यह नहीं पता कि आजादी को कितने साल हो गए हैं। भाषण के दौरान वह पीछे मुड़कर इस बारे में पूछते नजर आए थे। अगर मैं वहां होता तो उन्हें एक जोरदार थप्पड़ मारता।' इस बयान को ठाकरे के खिलाफ एक व्यक्तिगत हमले के रूप में देखा गया।इसके बाद शिवसेना नेतृत्व ने एफआईआर दर्ज कराई। राणे के खिलाफ सोमवार को रायगढ़, पुणे और नासिक जिलों में कम से कम 4 एफआईआर दर्ज की गई। हाल ही में, बाढ़ प्रभावित कोंकण क्षेत्र की यात्रा के दौरान राणे ने राज्य में आपदाओं के लिए उद्धव ठाकरे के 'दुर्भाग्य' को जिम्मेदार ठहराया था।राणे महाराष्ट्र के उन चार केंद्रीय मंत्रियों में से एक हैं जिन्हें पिछले महीने कैबिनेट विस्तार के दौरान नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल किया गया था। राणे, भारती पवार, भागवत कराड और कपिल पाटिल सहित चारों को जनाशीर्वाद यात्रा आयोजित करने के लिए कहा गया है।

'हम सैनिक सड़क की लड़ाई जानते हैं'

शिवसेना नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ राणे की अभद्र भाषा भाजपा के लिए अच्छी साबित नहीं होगी। अंग्रेजी अखबार द इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार एक नेता ने कहा- 'राज्य के लोगों ने देखा है कि कैसे उद्धव ठाकरे कोविड समेत अन्य आपदाओं को धैर्य के साथ बिना कोई शोर किए संभाला। राज्य के लोग उद्धव ठाकरे को अपने परिवार के सदस्य के रूप में मानते हैं।'रिपोर्ट के अनुसार नेता ने कहा कि विवादास्पद बयान देने के अलावा राणे का बीएमसी चुनावों में जमीनी स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा- '2015 में राणे ने बांद्रा (पूर्व) विधानसभा सीट से उपचुनाव लड़ा और शिवसेना से हार गए। हमने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है।'एक अन्य नेता ने कहा कि शिवसेना और उसके कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन राज्य में पार्टी के सत्ता में आने के बाद उन्होंने कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया है। उन्होंने कहा कि 'हाल की घटनाओं ने पार्टी कैडर को भाजपा के खिलाफ विरोध के जरिए भावनाओं को व्यक्त करने के लिए मजबूर किया। जब राजनीति में सड़क पर लड़ाई की बात आती है तो सैनिक हमेशा आगे रहते हैं।'

नारायण राणे को अभी भी राहत नहीं

थप्पड़ वाले बयान के मामले में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे को जमानत मिलने के बावजूद राहत मिलती नहीं दिख रही है। दरअसल, अब नासिक पुलिस ने राणे को उनके खिलाफ प्राथमिकी के सिलसिले में नोटिस भेजकर दो सितंबर को थाने में पेश होने को कहा है।वहीं सुरक्षा के मद्देनजर मुंबई में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के आवास के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। बता दें कि राणे ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया था, जिसके बाद उनके खिलाफ गिरफ्तारी नोटिस जारी कर दिया गया था। इस मामले में राणे को पहले चिपलून से हिरासत में लिया गया था, उसके बाद कानूनी कार्यवाही पूरी कर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद रात को उन्हें रायगढ़ के महाड अदालत में पेश किया गया जहां उन्हें जमानत दे दी गई।वहीं राणे के वकील संग्राम देसाई ने जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें जमानत देते हुए अदालत ने कुछ शर्तें लगाई हैं। राणे को 31 अगस्त और 13 सितंबर को पुलिस स्टेशन में हाजिर होना होगा और भविष्य में इस तरह के कृत्यों से दूर रहना होगा। महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि नारायण राणे को मिली जमानत राज्य सरकार के चेहरे पर एक और तमाचा है जो पुलिस और गुंडों के समर्थन से चल रही है। वहीं, भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि नारायण राणे को जमानत मिल गई है और वह 27 अगस्त से दोबारा जन आशीर्वाद यात्रा निकालेंगे। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नितेश ने आधी रात के तुरंत बाद ट्विटर पर एक वीडियो पोस्ट कर मंगलवार को अपने पिता की गिरफ्तारी को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर हमला बोला। नितेश द्वारा पोस्ट किया गया वीडियो फिल्म राजनीति के एक दृश्य का हिस्सा है और अभिनेता मनोज बाजपेयी को कहता उनका मिलेश की चेतावनी देते हुए दिखाया गया है।

जिला परिवहन अधिकारी ने जिले में नहीं की अधिकृत किराया सूची जारी

बस संचालकों की मनमानी व परिवहन विभाग की लापरवाही का दंश झेल रही है आम जनता

जिला परिवहन विभाग की मिली भगत से बस संचालक वसूल रहे यात्रियों से मनमाना किराया

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

चार महीने से अधिक समय हो गया जब प्रदेश सरकार ने यात्री बसों के किराये में संशोधन करते हुए बढ़े हुए किराये की अधिसूचना जारी की थी। इससे पहले 2018 में यात्री किराये की दरें तय हुई थी। उसके बाद से ही बस संचालक एसोसिएशन द्वारा प्रदेश सरकार से किराया बढ़ाने को लेकर मांग की जा रही थी। इसके लिए एसोसिएशन ने हड़ताल भी की। परिणाम निकल कर सामने यह आया कि 20 अप्रेल 2021 को प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग मंत्रालय भोपाल ने यात्री बसों के किराए में बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी कर दी। विडंबना यह कि चार माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी मध्यप्रदेश परिवहन विभाग की बेवसाइड पर यह अधिसूचना अपलोड नहीं हो सकी। जब परिवहन विभाग की वेबसाइड पर किराया संबंधी नए आदेश की खोज बीन की तो पता चला कि यहां यह आदेश अपलोड ही नहीं किए गए है। इसकी बजाय हमें मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 28 मई 2018 में जारी किया गया किराया पत्रक ही वेबसाइड पर मिला। नवीन किराया पत्रक जारी होने के चार माह बाद भी वेबसाइड पर उसके कोई अते-पते नहीं थे।

इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि 'बांस उपर से लेकर नीचे तक पूरी तरह से पोला ही है।' प्रदेश स्तर से 20 अप्रेल को जारी अधिसूचना के बाद सभी जिलों के परिवहन अधिकारियों को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे स्थानीय स्तर पर सत्यापित किराया सूची जारी करें। मगर मध्यप्रदेश के पश्चिमी छोर पर बसे आदिवासी बाहुल झाबुआ जिले में अब तक इस पर अमल नहीं हो पाया है। प्रदेश सरकार के आदेश व किराया पत्रक जारी करने का जिला परिवहन अधिकारी के पास समय नहीं है। वे तो बस अपने टारगेट पूरे करने में लगे रहते है। नया किराया पत्रक जारी होने के चार माह बाद भी बस संचालक अपनी मनमर्जी से यात्रियों से अधिक किराया वसूल रहे है। अधिकारियों की लापरवही और लेट लतीफा का दंश आम जनता को अधिक किराया चुकाकर झेलना पड़ रहा है। आए दिन बसों में अधिक किराए को लेकर बस स्टाफ व यात्रियों के बीच हुज्जतबाजी होना आम बात हो गई है।

नवीन किराया पत्रक अधिसूचना को जारी हुए चार माह गुजर गए है। जिला परिवहन विभाग जिला मुख्यालय से संचालित होने वाली प्रायवेट बसों पर अब तक किराया सूची चस्पा नहीं करवा सका है। नतीजा यह हो रहा है कि बस मालिक अवैध वसूली यात्रियों से कर रहे है। जबकि आमजनता बढ़े हुए किराए को लेकर अब तक असमंजस में है। बसों में सत्यापित किराया सूची अब तक चस्पा नहीं की गई है। कारण सिर्फ परिवहन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही है।

बसों पर नही चस्पा की गई नई किराया सूची।

आरटीओ कार्यालय से नही जारी हुई सत्यापित किराया व किलोमीटर सूची।

कोरोना काल में बसों का संचालन लगभग ठप्प था। मगर उसके पहले भी कई बसें तय किराये से कई गुना अधिक किराया वसूल रही थी। किराये का पैमान कुछ इस तरह था कि चारटेड बसों में 150 किलोमीटर के सफर का 145 रुपये किराया ही देना पड़ता था, इसके अलावा गुजरात परिवहन की बसों में भी लगभग यही किराया लिया जाता था। मगर प्रायवेट बसों में यह किराया 160 से 200 तक यात्रियों से वसूल किया जा रहा था। कोरोना काल में बस मालिकों ने टैक्स माफी और किराया बढ़ाने को लेकर हड़ताल की। प्रदेश सरकार ने 20 अप्रेल को अधिसूचना जारी करते हुए बस संचालकों की मांग मान ली। हालांकि बस संचालक एसोसिएशन ने 35 प्रतिशत किराए में वृद्धि की मांग रखी थी मगर प्रदेश सरकार ने 25 प्रतिशत किराया बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। बस इस मंजूरी के बाद क्या था बस संचालकों ने अपनी मनमर्जी से यात्रियों से किराया वसूलना शुरू कर दिया। अब हालात कुछ ऐसे है कि 150 किलोमीटर का सफर करने के लिए यात्रियों को 220 से 250 रुपये अदा करने पड़ रहे है। कम दूरी की बसों में भी किराया अधिक वसूला जा रहा है। किराया सूची व जानकारी के अभाव में आमजनता बस संचालकों द्वारा वसूले जा रहे मनमाने किराये पर सफर करने को मजबूर है। यात्रियों से वसूले जा रहे इस अवैध व अधिक किराये का किसी तरह का कोई टीकट नहीं दिया जा रहा है। यात्रियों के मांग करने पर उन्हे कुछ तो भी चितरी हुई सिलिप थमा दी जाती या गाली-गलोच के साथ रास्ते में ही उतारने की धमकी चालक-परिचालकों द्वारा दी जाती। इन बसों में कोरोना गाइड लाइन का पालन भी नहीं किया जा रहा है। न सेनेटाइजर है और न ही मास्क की अनिवार्यता, सोश्यल डिस्टेंस की तो मानों कब्र ही खुदी पड़ी है। बसों में क्षमता से अधिक सवारियां देखने को मिल रही है। वर्तमान में त्यौहारों का सीजन चल रहा है तो स्थिति भयावह बनी हुई है। जबकि पड़ोसी जिलों गुजरात के दाहोद व राजस्थान के बांसवाड़ा में कोरोना के मरीज मिल रहे है। जिला परिवहन विभाग के आला अधिकारी इस मुद्दे पर नजर डालना भी उचित नहीं समझ रहे है।

आरटीओ और बस संचालकों का जनता इस तरह झेल रही दंश

कहां से कहां	किलोमीटर	यह होना चाहिए	यह है दंश
रानापुर से भाबरा	35	45	60
रानापुर से मेघनगर	32	42	55
---,,--- से झाबुआ	18	22	32
---,,--- से कुंदनपुर	14	18	30
---,,--- से पारा	16	20	30
---,,--- से रजला	10	13	20
---,,--- से थांदला	50	63	70
झाबुआ से इंदौर	150	188	200–220
---,,--- से धार	90	113	120
---,,--- से राजगढ़	45	57	65
---,,--- से रतलाम	100	120	140
---,,--- से पेटलावद	50	63	70
---,,--- से थांदला	32	42	50
---,,--- से मेघनगर	16	20	30
---,,--- से पारा	16	20	30
---,,--- से पिटोल	16	20	30
---,,--- से कल्याणपुरा	13	17	25
---,,--- से भाबरा	53	68	80

इस तरह प्रति सवारी यात्रियों से 10 रुपये से 20 रुपये अधिक वसूले जा रहे है।

जिला परिवहन कार्यालय व बस संचालकों के बीच झोल-झाल वाली स्थिति से भी इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि जिला परिवहन विभाग में पिछले दिनों एजेंटों में हुए जुतम पैजार को समाचार पत्रों ने खबर बनाया और जिले की जनता ने देखा व पढ़ा है। जो भी हो लेकिन जिला परिवहन विभाग व बस संचालकों के बीच जनता की स्थिति कुछ ऐसी हो गई कि 'चलती चक्की देखकर दिया कबीरा रोय, दो पाटन के बीच में साबुत बचा न कोय।'

इधर कलेक्टर इस स्थिति को लेकर संज्ञान नहीं ले रहे है। तो आरटीओ व बस संचालक भी 'अपनी ढपली अपना राग' अलाप रहे है। जबकि तत्कालीन कलेक्टर चंद्रशेखर बोरकर ने बस संचालकों द्वारा बसों के संचालन और अवैध किराया वसूली को लेकर कई बड़ी कार्रवाईयां की थी। बोरकर के एक्शन में आने के बाद बसों के अंदर व बाहर बड़े अक्षरों में किराया सूचियां चस्पा हुई थी, बल्की चालक-परिचालक ड्रेसकोड में नजर आने लगे थे और यात्रियों को टिकट देने के कड़े नियम लागू किए गए थे। जिससे यात्रियों काफी सहुलियत मिली थी। लेकिन कलेक्टर बोरकर के जाने के बाद यह सारी व्यवस्था 'ढाक के तीन पात' साबित हुई और उनके बाद आने वाले किसी भी कलेक्टर ने इस ओर ध्यान नहीं।

२० अप्रेल को मध्यप्रदेश परिवहन मंत्रालय भोपाल से जारी अधिसूचना।

अधिकृत किराया सूची को लेकर जब जिला परिवहन विभाग के लेंड लाइन नंबर पर संपर्क करना चाहा तो यह नंबर लगा ही नहीं। इसके बाद जिला परिवहन अधिकारी की अधिकृत ई-मेल आई पर मेल के जरिए जानकारी लेने की कोशिश की गई तो यह ई-मेल आईडी भी अनवेलिड बाताई गई। जबकि झाबुआ जिला परिवहन कार्यालय का यह लेंड लाइन नंबर व अधिकृत ई-मेल आईडी मध्यप्रदेश परिवहन विभाग की वेबसाइड पर दर्ज है।

मध्यप्रदेश परिवहन मंत्रालय द्वारा जारी किरया पत्रक के अनुसार यात्री बसों में पहले 5 किलोमीटर के 7 रुपये तथा उसके बाद 1 रुपया 25 पैसे प्रति किलोमीटर किराया देय होगा। मगर इसके विपरीत बस संचालक पहले 1 किलोमीटर के 7 रुपये व उसके बाद प्रति किलोमीटर 1.25 से अधिक राशि यात्रियों से वसूल रहे है। आरटीआई कार्यकर्ताओं कि माने तो उन्होने सरकार द्वारा जारी कराया पत्रक की जानकारी जिला परिहवन कार्यालय से चाही थी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी उन्हे किसी तरह की कोई जानकरी नहीं दी गई। उनका कहना है कि जिला परिवहन कार्यालय द्वारा सत्यापित किराया सूची व सत्यापित किलोमीटर सूची नहीं देना आरटीओ व बस संचालकों की मिली भगत की ओर ईशारा कर रही है। मतलब 'सैया भये कोतवाल तो फिर डर काहे का'।

अब देखना यह है कि आरटीओ व संचालकों की मिली भगत से यात्रियों को किराये की लूटमार से कौन बचाएगा। महिलाओं व छात्र-छात्राओं के साथ बस पर मौजूद स्टाफ के दुर्व्यवहार के किसी भी आम होते जा रहे है, इन्हे कौन रोकेगा?

श्रीराम चरित मानस युवा मंडल ने मास परायण की दी पूर्णाहुति

माही की गूंज, मेघनगर।

नगर के प्राचीन रामायण मंडल श्रीरामचरित मानस रामायण युवा मंडल के अखंड मास परायण की पूर्णाहुति प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्रीवनेश्वर मारुति नँदन हनुमान मंदिर फूटतालाब में की गई। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सुरेशचंद्र पूरणमल जैन, राजेश रिंकू जैन, जैकी जैन, संतो और श्रीरामचरित मानस युवा मंडल के सदस्यो की उपस्थिति में पूर्णाहुति दी गई। इस अवसर पर मंदिर में विराजित राम भक्त हनुमान की प्रतिमा और पूरे मंदिर का आकर्षक श्रृंगार किया गया। आयोजन में विशेष रूप से मंडल के वरिष्ठ सदस्य संजय श्रीवास, गणेश प्रजापत, राघवेंद्र पाल, आनंदीलाल पडियार, हरिराम गिरधानी उपस्थित थे। पूर्णाहुति के पूर्व श्रीरामायण की चौपाइयों और भजनों की प्रस्तुति जिले के प्रसिद्ध भजन गायक जनक रामायणी और श्रीरामचरित मानस युवा मंडल द्वारा दी गई। पूर्णाहुति के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया।

उल्लेखनीय है कि, श्रीरामचरित मानस युवा मंडल श्रावण के पवित्र माह में पिछले 31 वर्षों से नगर के घर-घर में सुँदरकांड का पाठ करता आ रहा है। पूर्णाहुति के पश्चात भजन गायक जनक रामायणी, माधव, जगदीश, गिरधारी, पंडित मदनलाल व्यास डग वाले के साथ पूरी टीम जिसने 30 दिनों तक संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया, सभी का सम्मान श्री रामचरित मानस युवा मंडल के अध्यक्ष प्रांजल शर्मा और वरिष्ठ साथियों द्वारा किया गया। साथ ही संजय श्रीवास और गणेश प्रजापत का भी स्वागत मंडल की युवा इकाई द्वारा किया गया।

लापरवाही का मंजर : झकनावद में बढ़ते जा रहे डेंगू के मरीज...

स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत की लापरवाही के कारण बढ़ रहा डेंगू का प्रकोप

माही की गूंज, झकनावदा।

डेंगू के प्रकोप से अब आम जनता अस्पताल में जाने को मजबूर है, जिसका मुख्य कारण पंचायत की लापरवाही एवं स्वास्थ विभाग की उदासीनता है। बता दे कि, अस्पताल के कुछ ही दूरी पर गंदगी व पानी के भराव का नतीजा यह रहा कि ग्राम में डेंगू के मरीजों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। जिसमें ग्राम की एक बालिका सहित 5 मरीज डेंगु की बिमारी की जद में आ गए। लेकिन अभी तक न तो सर्वे हुआ न ही स्वास्थ विभाग की ओर से कोई एक्शन ली गई। नालियों में पावडर का छिडकाव भी नहीं किया गया वहीं जवाबदार अपना पल्ला झाड़ रहे है। पंचायत को बार-बार बताने एवं मुख्य बस स्टेंड से लेकर खेड़ापति हनुमान के रोड तक पंचायत के स्वच्छ अभियान पर आम जनता को मारने का काम प्रशासन के बड़े पद पर आसीन नेता एवं कर्मचारी कर रहे है। जवाबदार यहां आकर देखे कि ग्राम की जनता गंदगी में कैसे अपना जीवन यापन कर रही है।

''अंधेर नगरी चौपट राजा'' की कहावत यहां पर सार्थक होती नजर आ रही है और ''अपना काम बनता भाड़ में जाए जनता'' का स्लोगन भी इन नेताओं और ग्राम पंचायत के नुमाइंदे चरितार्थ कर रहे है।

नही हो रही डेंगू की जांच

वर्तमान में बुखार का प्रकोप चल रहा है जिसके इलाज के लिए लोग सरकारी अस्पताल जाते है तो वहां वाइरल फीवर के नाम पर इलाज किया जा रहा है। डेंगू, मलेरिया ओर चिकनगुनिया जैसी बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य अमला न तो सजग है न ही इनकी जांच की जा रही है। नतीजन लोगो को इलाज के लिए गुजरात के दाहोद, बड़ौदा का रूख करना पड़ रहा है।

भ्रष्टाचार: जागरूक युवाओं का सराहनिय प्रयास...

करड़ावद पंचायत के भ्रष्टचार की जांच करवाने युवाओं ने एसडीएम कार्यालय पहुंच दिया ज्ञापन

सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक पर लगाए गंभीर आरोप

माही की गूंज, पेटलावद।

ग्राम पंचायत में हो रहे भ्रष्टचार को लेकर अब युवा जाग गया है और सक्रिय होकर ग्राम पंचायत द्वारा किए गए भ्रष्टचार को बेपर्दा कर भ्रष्टों पर कार्रवाई की मांग के लिए आवाज़ बुलंद करने लग गए है। युवाओ का कहना है, हम ग्राम पंचायत को आदर्श पंचायत बनाने का काम करना चाहते है, जिसके लिए ग्राम पंचायत के काले कारनामे बहार आना जरूरी है। पेटलावद से लगी हुई ग्राम पंचायत करडावद से प्रशासन के पास बहुत कम शिकायतें पहुँचती होगी, लेकिन गाँव के युवाओं ने जब ग्राम पंचायत का ऑनलाइन रिकॉर्ड खंगाला, तो ग्राम पंचायत में पिछले 7 वर्षो में हुए भ्रष्टचार की जानकारी मिली। जिसके बाद गाँव के लगभग 30 से 40 युवाओं ने समूह बनाकर ग्राम पंचायत के कारनामे उजागर करने का जिम्मा उठाया।

एसडीएम कार्यालय पहुँच आवेदन देकर की शिकायत

मंगलवार को ग्राम पंचायत करडावद के लगभग 20 से 30 युवाओं ने एसडीएम कार्यालय पहुँच कर एसडीएम शिशिर गेमावत को शिकायती आवेदन देकर ग्राम पंचायत में किए गए भ्रष्टचार की जांच कर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया कि, ग्राम पंचायत में नगर के कुछ पूंजीपतियों और प्रभावी लोगो ने ग्राम पंचायत की मिली भगत से शासकीय भूमि पर कब्ज़ा कर रखा है, जिसकी पचासों शिकायते करने के बाद भी कोई बड़ी कार्रवाई आज तक नही की गई। साथ ही ग्राम पंचायत के माध्यम से होने वाले कार्यो में भारी भ्रष्टचार किया गया और फर्जी बिलो के माध्यम से लाखों का भुगतान किया गया, जिसकी जांच होना अतिआवश्यक है। शिकायत करने पहुँचे युवाओं का आरोप है कि, ग्राम पंचायत द्वारा सीसी रोड का घटिया निर्माण किया गया और 6 माह में ही रोड उखड़ना शुरू हो गए है।

सरपंच के खाते में हुआ लाखो का भुगतान, मशीनों से किए गए रोजगार गारंटी के काम

शिकायतकार्ताओ ने आवेदन में बताया कि, ग्राम पंचायत की सरपंच लीला पति भरत देवड़ा के खाते में नियम विरुद्ध लाखो रुपए का भुगतान किया गया। साथ ही ग्राम पंचायत के टिमरिया में मनरेगा अंतर्गत हुए कार्य भारी मशीनों से कर मजदूरों का हक मारने की गंभीर शिकायत तक की है। युवा राजेन्द्र पटेल, राहुल मिस्त्री, राहुल आंजना आदि ने बताया कि, ग्राम पंचायत सचिव द्वारा सूचना अधिकार अधिनियम के अंतर्गत आवेदन लेने से भी इनकार कर जानकारी देने से बचने का प्रयास किया जा रहा है।

संपादकीय

कोविड-19 टिकाकरणः अब किशोरों की बारी

ऐसे वक्त में जब चिकित्सा विशेषज्ञ लगातार कहते रहे हैं कि, कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर का खतरा बच्चों के लिये अधिक होगा, डीएनए आधारित जायडस कैडिला के तीन खुराक वाले टीके जाइकोव-डी को आपातकालीन उपयोग के लिए भारत के ड्रग कंट्रोलर जनरल की अनुमति मिलना सुखद ही है। हमारी कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई और घरेलू दवा उद्योग के लिए भी यह बड़ी उपलब्धि है। दरअसल, यह टीका बारह वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों के लिए है। ऐसे वक्त में जब देश के विभिन्न राज्यों में बच्चों के स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं, किशोरों के लिए टीके का उपलब्ध होना भरोसा जगाने वाला ही कहा जाएगा। जाहिर-सी बात है कि, जब बच्चे स्कूल-कॉलेज के लिए निकलेंगे तो उनका भीड़ के संपर्क में आना तय होगा। ऐसे में तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच इस टीके का अक्तूबर में उपयोग के लिए उपलब्ध होना सुरक्षा का अहसास कराता है। दरअसल, देश में वयस्कों के लिए तो तीन टीके कोवैक्सीन, कोविशील्ड व स्पूतनिक थे, लेकिन किशोरों के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं था। निःसंदेह देश के महत्वाकांक्षी टीकाकरण अभियान को इस नए टीके के आने से गति मिलेगी। विशेष बात यह भी है कि, तीन खुराक के रूप में दिया जाने वाला यह टीका सुई के जरिए नहीं लगेगा। कई बच्चों में सुई से टीका लगाने को लेकर भय रहता है जो टीकाकरण से बचने की कोशिश करते हैं। वैसे यह टीका किशोरों के साथ बड़ों को भी दिया जा सकता है। अच्छी बात यह भी है कि, टीके ट्रायल परीक्षणों में तीसरे चरण के बाद टीके की 66.6 फीसदी प्रभावकारिता पाई गई है। उम्मीद है कि, निकट भविष्य में दो खुराक वाला टीका भी आएगा। ऐसे वक्त में जब स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक दिन में नब्बे लाख टीके लगाने का लक्ष्य रखा है, दूसरे स्वदेशी टीके के आने से उसे निश्चित रूप से गति मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि, टीका जिस तापमान में संगृहीत किया जाना है, वह भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल है।

दरअसल, विकासशील देशों में टीकाकरण की जो गति है, उसके मुकाबले हम बेहतर स्थिति में हैं। दुनिया में एक-चौथाई आबादी को टीकाकरण के बावजूद गरीब मुल्कों में टीकाकरण की स्थिति महज 0.6 फीसदी है। जबकि पचास फीसदी लोग अमीर देशों के हैं। निःसंदेह यह स्थिति कोरोना संक्रमण के खिलाफ हमारी वैश्विक लड़ाई को कमजोर करती है। बहरहाल, तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच इस नए टीके के आने से भारतीय अभिभावकों की चिंता कुछ कम हुई है। हालांकि, इस बात का कोई प्रामाणिक आधार नहीं है कि, तीसरी लहर का ज्यादा असर बच्चों पर ही होगा, लेकिन लोगों में यह आम धारणा बन गई है। यद्यपि सीरो सर्वे बता रहा है कि, संक्रमण की दूसरी लहर में बच्चे भी बड़ी संख्या में संक्रमण का शिकार बने हैं। लेकिन पहले चिंता ज्यादा थी क्योंकि बच्चों के लिए कोई टीका उपलब्ध नहीं था। जाइकोव-डी आने से हम बच्चों की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त हो पाएंगे। कंपनी का दावा है कि, वह सालाना तौर पर दस से बारह करोड़ डोज का उत्पादन कर सकेगी। बताया जा रहा है कि, नया टीका डेल्टा वायरस व वायरस के अन्य रूपों पर भी प्रभावी होगा। जायडस कैडिला की यह वैक्सीन ऐसे समय में आई है जब देश में कोरोना संक्रमण की स्थिति में गिरावट है, लेकिन भविष्य की आशंकाओं के बीच यह हमारी ताकत बन सकती है। देश के 56 करोड़ से अधिक वयस्कों को वैक्सीन की पहली डोज लग पाना कोरोना संक्रमण के खिलाफ हमारे मजबूत इरादों को जाहिर करता है। ऐसे में टीकाकरण अभियान में भारतीय चिकित्सा वैज्ञानिकों की यह उपलब्धि हौसला बढ़ाने वाली है। उस दिन हम और मजबूत होंगे जब देश शिशुओं को सुरक्षा कवच देने वाली वैक्सीन हासिल कर लेगा। दरअसल, शिशुओं के संक्रमित होने की स्थिति में बड़ों के लिए भी खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ ही देश के लोगों को कोरोना से बचाव के परंपरागत उपायों और सावधानियों के प्रति सजग बने रहना होगा।

चाणक्य नीति

लोभ से बड़ा दुर्गुण क्या हो सकता है। पर निंदा से बड़ा पाप क्या है। जो सत्य में प्रस्थापित है उसे तप करने की क्या जरूरत है। जिसका हृदय शुद्ध है उसे तीर्थ यात्रा की क्या जरूरत है। यदि स्वभाव अच्छा है तो और किस गुण की जरूरत है। यदि कीर्ति है तो अलंकार की क्या जरूरत है। यदि व्यवहार ज्ञान है तो दौलत की क्या जरूरत है और यदि अपमान हुआ है तो मृत्यु से भयंकर नहीं है क्या।

काम की बात

आप आज जो करते है उस पर भविष्य निर्भर करता है।

एक सलाह

घड़ी सुधारने वाले बहुत मिल जाते है, लेकिन समय खुद सुधारना पड़ता है।

कल्याण सिंह जिन्हें बगावत के बाद भी मिला सम्मान!

लंबे समय तक जीवन मृत्यु के बीच संघर्ष करते हुए आखिरकार कल्याण सिंह मौत से मात खा गए। रक्षा बंधन से एक दिन पहले शाम के समय वे इस दुनिया से अलविदा हो गए। उनके निधन पर उत्तर प्रदेश ने तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया तो राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नेताप्रतिपक्ष समेत कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन को अपूर्णनीय क्षति बताया। उनको भाजपा के वरिष्ठ नेता के रूप में सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। लेकिन उनका अपनी महत्त्वाकांक्षा और बगावत से भी गहरा नाता रहा है। अपनी हिंदूवादी छवि और बढ़ते वर्चस्व के बीच वे अटल बिहारी वाजपेयी जैसे बड़े नेता से भी स्वयं को बड़ा मानने लगे थे। जो उनके राजनीतिक हाशिए का कारण भी बनी।

बात उस समय की है जब नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक हुआ करते थे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने उन्हें कल्याण सिंह से मिलने और कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर बातचीत करने के लिए भेजा। मिलने के लिए समय मांगने पर कई दिनों बाद कल्याण सिंह ने उन्हें मिलने का समय दिया, वह भी अकेले में नही बल्कि उन्ही के साथ कुछ अन्य लोगों को भी वही समय दिया गया। नरेंद्र मोदी ने अकेले में बात करने को कहा तो उन्होंने मना कर दिया था। नरेंद्र मोदी ने कुसुम राय का मामला उठाया, तो उन्होंने उसे बेहद अनमने ढंग से लिया और उनके सामने ही अटल बिहारी वाजपेयी के लिए अच्छी भाषा का प्रयोग नही किया। हालांकि वर्ष 2004 में कल्याण सिंह की जब बीजेपी में वापसी हुई तो उसका श्रेय भी अटल बिहारी वाजपेयी को ही जाता है। भाजपा के तत्कालीन वरिष्ठ नेता प्रमोद महाजन ने उनको भाजपा में पुनः शामिल कराने के लिए कोशिश की थी, जिसपर कल्याण सिंह भाजपा में दोबारा शामिल हो पाए। भाजपा ने वर्ष 2007 का विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ा लेकिन कोई ख़ास सफलता नहीं मिल पाई। भाजपा छोड़ने के बाद कल्याण सिंह खुद भी लगभग अवसाद की हालत में आ गए थे। भाजपा के बहुत ही कम लोगों ने उनके साथ पार्टी छोड़ी थी और बाद में उनमे से भी कुछ किनारा कर गए थे। जिसकारण उनके साथ बहुत कम लोग रह गए। वर्ष 2009 में कल्याण सिंह एक बार फिर भाजपा से नाराज़ होकर पार्टी से बाहर चले गए थे। उन्होंने समाजवादी पार्टी से भी अपनी नज़दीकियाँ बढ़ाईं और उन्होंने समाज वादी पार्टी की मदद से एटा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव भी जीत लिया था, लेकिन कल्याण सिंह के इस साथ ने समाजवादी पार्टी को काफ़ी नुक़सान पहुँचाया, जिस कारण समाजवादी पार्टी ने उनसे दूरी बना ली थी। वर्ष 2010 में पाँच जनवरी को कल्याण सिंह ने जन क्रांति पार्टी नाम से एक नई पार्टी बनाई और अपने बेटे राजबीर सिंह को पार्टी का अध्यक्ष बनाकर एक नई शुरूआत करने की कौशिश की। वर्ष 2012 में उनकी पार्टी ने विधानसभा चुनाव भी लड़ा लेकिन सफ़लता नहीं मिल पाई। जिसपर वर्ष 2013 में कल्याण सिंह एक बार फिर भाजपा में शामिल हो गए और वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में प्रचार किया। जिसका इनाम वर्ष 2014 में ही राजस्थान का राज्यपाल बनाकर दिया गया।

राज्यपाल का कार्यकाल पूरा होने के बाद उन्होंने एक बार फिर भाजपा की सदस्यता

ली, लेकिन उसके बाद भाजपा ने उन्हें कोई ज़िम्मेदारी नहीं दी। हालांकि उनके बेटे राजवीर सिंह इस समय सांसद हैं, तो पोते संदीप सिंह उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के मंत्री हैं। छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस होने के बाद कल्याण सिंह सरकार बर्ख़ास्त हो गई थी। जिसके बाद उत्तर प्रदेश में उस समय कमण्डल की राजनीति भारी पड़ी और भाजपा को सत्ता में वापस आने के लिए पाँच वर्ष तक संघर्ष करना पड़ा।

वर्ष 1997 में कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश के दोबारा मुख्यमंत्री बन गए थे लेकिन इस बार वे पहले जैसी छाप नहीं छोड़ पाए। इस बार वे मात्र दो वर्ष ही मुख्यमंत्री रह पाए और उनकी पार्टी भाजपा ने ही उन्हें हटाकर दूसरा मुख्यमंत्री बना दिया था। भाजपा नेतृत्व से उनके मतभेद इतने अधिक बढ़ गए थे कि, कल्याण सिंह ने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफ़ा दे दिया था और उसके बाद में उन्होंने राष्ट्रीय क्रांति पार्टी बना ली थी। 30 अक्टूबर 1990 को मुलायम सिंह यादव के उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाई गई, जिसमें कई कारसेवकों की मौत हो गई थी। भाजपा ने मुलायम सरकार का मुक़ाबला करने के लिए कल्याण सिंह को आगे किया था। उस कड़े संघर्ष के बाद कल्याण सिंह ने मात्र एक वर्ष में भाजपा में जान फूंक दी। जिसपर वर्ष 1991 में भाजपा की उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बन गई और कल्याण सिंह मुख्यमंत्री बन गए। मुख्यमंत्री बनते ही कल्याण सिंह ने अयोध्या का दौरा किया और राम मंदिर निर्माण की शपथ ली। भारतीय जनता पार्टी का वर्ष 1980 में गठन हुआ था। कल्याण सिंह को नवगठित भारतीय जनता पार्टी का प्रदेश महामंत्री बनाया गया था। वर्ष 1980 के विधानसभा चुनाव में कल्याण सिंह को हार का सामना भी करना पड़ा था। अलीगढ़ ज़िले की अतरौली तहसील के मढ़ौली गाँव में 5 जनवरी 1935 को एक साधारण किसान परिवार में जन्मे कल्याण सिंह बचपन में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य बन गए थे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने अध्यापक की नौकरी की और राजनीति भी करते रहे। कल्याण सिंह ने हिन्दूवादी नेता के तौर पर उस समय अपनी राजनीति की शुरुआत की थी, जब उत्तर प्रदेश से लेकर पूरे देश में कांग्रेस पार्टी का वर्चस्व था। 1967 में जनसंघ के टिकट पर अतरौली सीट से उन्होंने पहली बार विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीत कर विधायक बने। जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हो गया और वर्ष 1977 में उत्तर प्रदेश में जनता पार्टी की सरकार बनने पर उन्हें राज्य का स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया। कल्याण सिंह अपनी राजनीतिक यात्रा में पहले जनसंघ, फिर जनता पार्टी और फिर भारतीय जनता पार्टी के नेता के तौर पर विधायक से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे और बाद में राजस्थान के राज्यपाल भी बने, लेकिन राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने उनकी हिन्दूवादी नेता की छवि को तो धूमिल किया ही, राजनीति में असमय ढलान का कारण अतिमहत्त्वाकांक्षा ही रही। फिर भी उन्हें अंतिम समय तक वह सम्मान मिला जिसके वे हक़दार थे।

श्रीगोपाल नारसन

जातिगत जनगणना का जिन्न

बिहार की राजनीति में पिछले कुछ वर्षों में ऐसी तस्वीर देखने को नहीं मिली, जहां बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव दोनों किसी एक मुद्दे पर एकमत हो। ये मुद्दा है जातिगत जनगणना का है। दोनों नेता आपसी मतभेद को भुलाकर केंद्र सरकार से जातिगत जनगणना कराने के लिए गुहार लगाते लगाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने तक पहुंच गए हैं। नीतीश के इस रुख से बिहार में एनडीए सरकार की प्रमुख सहयोगी भाजपा पसोपेश में है और वह पार्टी की रणनीति के तहत जनसंख्या नियंत्रण कानून की हिमायत कर रही है। दरअसल, सारा खेल अन्य पिछड़ी जातियों के वोट बैंक का है। इनकी आबादी 52 फीसद बताई जाती है। राजनीतिक दलों के बीच ओबीसी के सच्चे हितैषी का क्रेडिट लेने की होड़ लग गई है। भारत में आखिरी बार 1931 में जातिगत आधार पर जनगणना की गई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध छिड़ जाने के कारण 1941 में आंकड़ों को संकलित नहीं किया जा सका था। आजादी के बाद 1951 में इस आशय का प्रस्ताव तत्कालीन केंद्र सरकार के पास आया था, लेकिन उस समय गृह मंत्री रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल ने यह कहते हुए प्रस्ताव खारिज कर दिया था कि, इससे समाज का ताना-बाना बिगड़ सकता है।

1951 के बाद से लेकर 2011 तक की जनगणना में केवल अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति से जुड़े आंकड़े प्रकाशित किए जाते रहे। 2011 में इसी आधार पर जनगणना हुई, किंतु अपरिहार्य कारणों का हवाला देकर इसकी रिपोर्ट जारी नहीं की गई। कहा जाता है कि करीब 34 करोड़ लोगों के बारे में जानकारी गलत थी। कमोबेश, हर जनगणना के पहले जातीय जनगणना की मांग की जाती रही है। किंतु, बिहार विधानसभा में पहली बार 18 फरवरी 2019 में तथा फिर 27 फरवरी 2020 में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मांग की गई कि, 2021 में होने वाली जनगणना जाति आधारित हो। एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है।

दरअसल, ओबीसी की आबादी का सही आंकड़ा मिलने से क्षेत्रीय दलों को राजनीति का नया आधार मिल सकता है। क्षेत्रीय दल हमेशा से जातीय जनगणना की मांग करते रहे हैं। किंतु, इस मुद्दे पर केंद्र में रही कोई भी सरकार अपने हाथ नहीं जलाना चाहती है। इसलिए 2010 में जब केंद्र में मनमोहन सिंह की सरकार थी तब भी मांग उठी थी, मगर हुआ कुछ नहीं। सभी सरकारों को आशंका है कि जाति आधारित जनगणना के बाद तमाम ऐसे मुद्दे उठेंगे, जिससे देश में आपसी भाईचारा व सौहार्द बिगड़ेगा तथा शांति व्यवस्था भंग होगी। जिस जाति की संख्या कम होगी, वे अधिक से अधिक बच्चे की वकालत करेंगे। इससे समाज में विषम स्थिति पैदा होगी। दरअसल जाति आधारित जनगणना का समर्थन जेडीयू के साथ-साथ एनडीए के अन्य सहयोगी दल हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी और महाराष्ट्र के नेता रामदास अठावले भी कर चुके हैं। हालांकि भारतीय जनता पार्टी का मानना है कि जातिगत आधारित जनगणना से हिंदू समाज में मतभेद हो सकते हैं और सामाजिक सद्भाव बिगड़ सकता है इसलिए फिलहाल जाति आधारित जनगणना की कोई जरूरत नहीं है।

दरअसल, भाजपा का हिंदुत्व अब ओबीसी और अति पिछड़ी जातियों के सहारे चल रहा है। पहले दक्षिण भारत और बाद में उत्तर भारत के करीब हर राज्य में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों के बहुत ताकतवर संगठन बन चुके हैं। यही कारण है कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रिमंडल विस्तार में इस तबके को सबसे ज्यादा महत्व दिया है, पर जातिगत जनगणना की मांग ओबीसी जातियों द्वारा होती रही है. ओबीसी की राजनीति करने वाले करीब सभी नेता कभी न कभी जातिगत जनगणना की मांग कर चुके हैं। बस भाजपा के लिए मुश्किल यही खड़ी हो रही है कि जाति आधारित जनगणना को न सपोर्ट करके उनके साथ कहीं धोखा न हो जाए।

सिद्धार्थ शंकर

तालिबान मायने झूठ, अफीम और हथियार

चालू विश्वविद्यालय ने तालिबान की अर्थव्यवस्था विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कराया था, इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त निबंध इस प्रकार है।

तालिबान अर्थव्यवस्था विश्व की अजूबा अर्थव्यस्थाओं में शुमार की जा सकती है, जहां पर हथियार एकदम लेटेस्ट हैं और किताबें पुरानी भी उपलब्ध नहीं हैं। किताबों को आधुनिकतम हथियारों से जलाने की तकनीकी में महारथ हासिल है तालिबान को। तालिबान के पास पैसा हथियार के लिए है, किताबों के लिए नहीं। हथियार से किताब पढ़ने-लिखने वालों को मारते हैं।

आलोक पुराणिक

हथियार बेचने वाले इस दुनिया के सबसे शातिर कारोबारी हैं। विकसित देशों में हथियारों का विकास करते हैं हथियारों के कारोबारी फिर वो इन्हें अविकसित देशों में बेचते हैं। तालिबान आठवीं शताब्दी के दिमाग के साथ 21वीं शताब्दी के हथियार चलाते हैं। राकेट लांचर इधर से उधर लिए घूमते हैं। राकेट लांचर का कोई पुरजा बना पायें तालिबान, इतनी शिक्षा न हासिल उनको। पर राकेट लांचर से लोगों को मारने की पूरी ट्रेनिंग उनके पास है। भारत के वो जाहिल किस्म के शायर वगैरह भी तालिबान के समर्थन में हैं, जिनके लिए काला अक्षर भैंस बराबर है, जिनके लिए बंदूक और किताब दोनों एक बराबर है। शायर होकर भी आदमी जाहिल रह सकता है इससे पता चलता है कि जहालत, मूर्खता की कोई सीमा नहीं होती।

तालिबानी अफीम उगाते हैं, तालिबान एक साथ दो किस्म की अफीम बेचते हैं- एक धर्म की अफीम, दूसरी सचमुच की अफीम नशेबाजी वाली अफीम। जानकार बताते हैं कि धर्म की अफीम से ज्यादा लोग मर जाते हैं। हथियार और अफीम पर टिकी तालिबान अर्थव्यवस्था में कभी मंदी नहीं आती, क्योंकि इनके धंधे कभी मंदे ही न होते। तालिबान के सबसे बड़े समर्थक हैं पाकिस्तान के नेता जो खुद भी लगभग तालिबान ही हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान और तालिबान का मामला एक ही है। ये पूरी दुनिया के दुश्मन हैं। पर इससे कुछ न होता, हथियार उन्हें मिलते रहेंगे, क्योंकि हथियार बेचने वाले सिर्फ रकम देखते हैं। रकम है तालिबान के पास, जो वो अफीम से हासिल करते हैं। तालिबान का एक और बड़ा कारोबार है, झूठ का। तो कुल मिलाकर हम मान सकते हैं कि झूठ, अफीम और हथियार ये बहुत बड़े कारोबार हैं और इनसे बहुत मोटी कमाई संभव है। इतनी मोटी कमाई संभव है कि, अमेरिका जैसा बड़ा देश, बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश भी तालिबान से डरकर भाग लिया।

निजी हित साधने का न बने हथियार

समाज के कमजोर और न्याय तक पहुंच से वंचित तबकों के हितों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा अस्सी के दशक में शुरू की गई जनहित याचिका, जो पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन के नाम से ज्यादा चर्चित है, प्रणाली आज जनता के मौलिक अधिकारों की रक्षा और इनके प्रति उदासीन कार्यपालिका और भ्रष्ट नौकरशाही को कटघरे में लाने के लिए एक कारगर हथियार बन चुकी है। लेकिन दुरुपयोग के चलते न्यायालय ने कई मामलों में इसे पॉलिटिकल इंटरेस्ट लिटिगेशन या प्राइवेट इंटरेस्ट लिटिगेशन बताते हुये खारिज भी कर दिया। फलतः उच्चतम न्यायालय ने ऐसी याचिकाओं पर कड़ा रुख अपनाना शुरू कर दिया है। अब अगर न्यायालय को पहली नजर में लगता है कि अमुक जनहित याचिका पब्लिसिटी या प्राइवेट हित के लिए है तो वह उसे खारिज ही नहीं कर रहा बल्कि याचिकाकर्ताओं पर जुर्माना भी लगा रहा है।

कई बार याचिकाकर्ता किसी विषय के बहुत अधिक विवादास्पद होने पर सिर्फ अखबार की खबरों के आधार पर ही आधी-अधूरी जानकारी के साथ जनहित याचिका दायर कर रहे हैं। कई मामलों में एक निश्चित अवधि के लिए याचिकाकर्ताओं पर ऐसी याचिका दायर करने पर रोक भी लगाई गई है। मौलिक अधिकारों की रक्षा के नाम पर संविधान के अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 226 के अंतर्गत दायर होने वाली जनहित याचिकाओं में कमी नहीं आई है।

इस समय उच्चतम न्यायालय में ही 2880 से ज्यादा ऐसी याचिकाएं लंबित हैं। इनमें से पर्यावरण की रक्षा और प्रदूषण संबंधी कुछ जनहित याचिकाएं तो 1984-85 से न्यायालय में लंबित हैं। इनमें लगातार फैसले और अंतरिम आदेश आते रहते हैं। जुलाई के अंत तक पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में पीआईएल की श्रेणी में सबसे ज्यादा 1312 मामले लंबित थे।

देश के संविधान या किसी कानून में जनहित

याचिका परिभाषित नहीं है। यह व्यवस्था नागरिकों को संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय की व्याख्या की देन है। इस व्याख्या ने मौलिक अधिकारों के दायरे का भी विस्तार किया है और निजता के अधिकार, भोजन का अधिकार और स्वास्थ्य सुविधा के अधिकार को इसी के दायरे का हिस्सा माना है। कोरोना वैश्विक महामारी में कामगारों से लेकर पेगासस जासूसी कांड और पर्यावरण से लेकर रैन बसेरों की स्थिति जैसे मामले जनहित याचिकाओं के कारण ही सुर्खियों में आये हैं। इन मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के कारण कार्यपालिका तथा नौकरशाही को इस ओर तत्परता से कदम उठाने पड़े।

जनहित याचिकाओं की शुरुआत 1980 के दशक में बिहार की जेलों में विचाराधीन कैदियों की अमानवीय स्थिति और भागलपुर जेल में कैदियों की आंख फोड़ने की घटना शीर्ष अदालत के संज्ञान में लाए जाने के साथ हुई थी। इनके अलावा पूर्व नौकरशाह और सैन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता और आम जनता भी जनहित याचिका दायर करती रहती है। इनमें से अनेक मामलों में उन्हें सफलता मिली है। लोकपाल की नियुक्ति, देश में पुलिस सुधार से लेकर लोकपाल कानून का सृजन और लोकपाल, सीवीसी तथा सीबीआई प्रमुख के पदों पर नियुक्ति जैसे अनेक मुद्दों पर इस प्रक्रिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अनुप भटनागर

जनहित याचिकाओं के माध्यम से बोफोर्स तोप सौदे, राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद, 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन, कोयला खदान आवंटन, बंधुआ मजदूर, जेलों में क्षमता से अधिक कैदियों का होना, मानसिक रोगी अस्पतालों में रोगियों की दुर्दशा, कोरोना महामारी में अस्पतालों में जान गंवाने वाले व्यक्तियों के शवों के प्रति अनादर मुद्दे शामिल हैं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाहुबल, धनबल से मुक्त कराने, अदालत से दोषी ठहराये जाने की तारीख से सांसदों-विधायकों की सदस्यता खत्म होने और सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की तेजी से सुनवाई जैसी व्यवस्था भी जनहित याचिकाओं की देन हैं।

महिला सरपंच की जगह ग्रामसभा की बैठक ले रहे सरपंच पति

महिलाओं को आरक्षण केवल नाम के लिए, कलेक्टर ने नहीं दिया जवाब

माही की गूंज, पेटलावद।

सरकार ने महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए हर स्थान पर आरक्षण दिया जा रहा है। किसी भी क्षेत्र में महिलाएं पीछे नही रहे इसलिए ग्राम पंचायत से लेकर जिला जनपद, नगर परिषद आदि कई स्थानों पर आरक्षण दिया जा रहा है, ताकि महिला वर्ग आत्मनिर्भर बने। लेकिन वर्तमान में भी पुरुष प्रधान परिवेश में महिलाओं को केवल रबर स्टाम्प के रूप में उपयोग किया जाता हैं। खासकर चुनाव वाली व्यवस्था में महिलाओं के नाम का उपयोग किया जाता है।

कुछ दिनों पूर्व पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायत बामनिया में ऐसा मामला सामने आया था, जहं शिक्षित महिला सरपंच के पति जो कि शासकीय शिक्षक होकर भी सरपंच पत्नी के कार्यो को देखते है, तथा गत दिनों फूटे तालाब की जांच करने गए अधिकारीयों के पास पहुँच गए और पंचनामे पर हस्ताक्षर तक करने का मामला सामने आया था। मामला अधिकारीयों की जानकारी में आने के बाद भी शिक्षक महोदय पर कोई कार्रवाई नही हुई। ऐसा ही एक मामला अभी ग्राम पंचायत कोदली में सामने आया जहा पेटलावद मण्डल उपाध्यक्ष विनेश कटारा 16 अगस्त को हुई ग्राम सभा की बैठक को सरपंच पत्नी कर्माबाई कटारा के स्थान और सरपंच की कुर्सी पर बैठकर ग्राम सभा की बैठक करते नजर आए। गांव के युवा गौरसिंह कटारा ने आपत्ति दर्ज करवाते हुए ग्राम पंचायत सचिव को फोन लगाकर जानकारी ली। लेकिन सचिव ने सरपंच पति को ही जनप्रतिनिधि बताते हुए सरपंच की कुर्सी पर बैठने की बात कहकर फोन काट दिया।

कलेक्टर और जिला सीओ को फोटो भेजकर पूछा, पंचायती राज़ अधिनियम में ऐसा नियम है क्या...?

शिकायतकर्ता गौरसिंह कटारा द्वारा उक्त मामले की जानकारी व फोटो सहित जिला कलेक्टर सोमेंश मिश्रा और जिला सीओ सिद्धार्थ जैन को सोशल मीडिया पर भेजकर सवाल किया कि, पंचायती राज अधिनियम के अंतर्गत ऐसा कोंन सा नियम है जो महिला सरपंच की अनुपस्थिति में उसके पति को बैठने का अधिकार देता है और यदि कोई नियम नही है तो उक्त बैठक में शामिल नोडल अधिकारी और ग्राम पंचायत सचिव पर कार्रवाई होनी चाहिए। शिकायत के बाद अब तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई संबधित अधिकारियों और सचिव पर होने की जानकारी नही मिली है।

सीएमओ की शह पर पल रहा स्थाई अतिक्रमण

अस्थाई पर कार्रवाई कर नपा लुट रही वाहवाही

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

मंडी बस स्टैंड पर पनप रहे अतिक्रमणकारी पर शुजालपुर सीएमओ की आखिर कब नजर पड़ेगी या युं ही नजरअंदाज करने का खेल दिखाया जाएगा। शुजालपुर सीएमओ को कई बार फोन लगाकर व उनके कर्मचारियों को भी फोन लगाकर अवेध गुमटियों के संबंध में कई बार सूचना आम लोगो द्वारा दी गई व लिखित आवेदन भी दिया गया। मगर आज तक नगर पालिका, मंडी बस स्टैंड की पक्की दुकानों के सामने व उनके पीछे 8 से 10 फिट का अतिक्रमण कर रखा है उन पर अपना शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रही है। जिसकी वजह से अवेध अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंदियो पर है। मंडी बस स्टैंड पर रखी गुमटियों पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता। सूत्रों की माने तो ये अतिक्रमणकारी शाम होते ही शराब पिकर यात्री महिलाओं को भी छेड़ते रहते है। जिसके कारण यात्रा करने हेतु आने-जाने वाली महिलाओं को डर बना रहता है।

नगरवासीयो का कहना है कि, सीएमओ द्वारा कार्रवाई नही की जा रही या मंडी बस स्टैंड की तरफनजर ही नही है। पक्के अतिक्रमण व गली में होते कब्जे पर नगर पालिका ध्यान नहीं दे रही है। एक बार फिर नगर पालिका द्वारा मंडी सिटी मार्ग स्थित गांधी पार्क के आस-पास लगने वाले अस्थाई ठेलों को हटाया गया, इसके अलावा गांधी पार्क से लेकर सिटी के बड़े पुल तक रखी हुई गुमटीया नगर पालिका द्वारा जेसीबी की मदद से हटाई गई, यही नहीं अतिक्रमण के नाम पर रखी गई गुमटी धारकों की गुमटीया नगर पालिका अमला अपने वाहन में भरकर ले गया। अब सवाल य उठता है कि, अस्थाई अतिक्रमण पर डंडा चलाने वाली नगर पालिका मंडी बस स्टैंड पर हो रहे स्थाई अतिक्रमण तथा गलियों में होते अतिक्रमण को कब हटाएगी। मंडी के वार्ड क्रमांक 19 डॉक्टर परुलेकर की गली में 40 फीट का रोड महज 10 फीट का ही रह गया है, यहां अतिक्रमण धारकों के हौसले इतने बुलंद है की सड़क पर ही कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए गए हैं, इस पर प्रशासन का जरा भी ध्यान नहीं है।

शुजालपुर सीएमओ निगहत सुल्ताना का कहना है कि, नगर पालिका द्वारा दल गठित करके अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई करेंगे।

अखण्ड हिन्दू सेना ने दहन किया दिग्विजय सिंह का पुतला

माही की गूंज, शाजापुर।

उज्जैन में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाने वालों के पक्ष में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा ट्वीट किया गया था। जिसको लेकर अखंड हिन्दू सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर आचार्य शेखर महाराज के आदेश पर अखंड हिंदू सेना जिला संयोजक धर्मेश शर्मा के नेतृत्व में बस स्टैंड शाजापुर पर पुर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का पुतला दहन किया गया।

जिला संयोजक ने बताया कि, दिग्विजय द्वारा लगातार पाकिस्तान के पक्ष में बयान बाजी की जाती है जो कि घोर निंदनीय है। जिसका अखंड हिन्दू सेना पुरजोर विरोध करती है। पुतला दहन में विशेष तोर पर हिन्दू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष अनूप किरकिरे, देव सेना जिलाध्यक्ष डॉ. जीवन गुर्जर, बलराम गुर्जर, गोसेवक राजा चौहान, विशाल मालवीय, देवेंद्र माली, आयुष शर्मा, विशाल देवतवाल, प्रीतम चौहान, सुमित गोस्वामी, जतिन मलक, अनुराग, राजकुमार गुर्जर, अनीश शर्मा, ललित जोशी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भारतीय किसान संघ का जिला कार्यकारिणी निर्वाचन सम्पन्न

.माही की गूंज, शाजापुर।

भारतीय किसान संघ जिला शाजापुर की कार्यकारिणी निर्वाचन एवं किसान सम्मेलन का कार्यक्रम दुपाड़ा रोड सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत संगठन मंत्री अतुल महेश्वरी, प्रांत अध्यक्ष कमल आंजना, प्रांत युवा वाहिनी संयोजक रमेश दांगी, प्रांत कार्यकारिणी संयोजक मोहन चौधरी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर भारत माता के पूजन एवं जयघोष के साथ किया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रांत कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के द्वारा संगठन की रीति-नीति एवं संगठन की कार्य योजना के बारे में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया। इसके उपरांत निर्वाचन प्रक्रिया प्रारंभ की गई, जिसमें जिला प्रभारी रमेश दांगी एवं प्रांत सदस्य मोहन चौधरी द्वारा पूर्व कार्यकारिणी भंग कर नवीन कार्यकारिणी की सर्वसम्मति से ओम की ध्वनि के साथ जिला अध्यक्ष पद हेतु घनश्याम पाटीदार, जिला मंत्री सवाई सिंह सिसोदिया के साथ कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

उज्जैन वाली घटना का समर्थन करना युवक को पड़ा महंगा, मामला दर्ज

माही की गूंज, शाजापुर। जिले के दिलोद गांव में रहने वाले अफ्सर शाह ने कुछ दिन पहले उज्जैन में जो घटना घटित हुई थी, जिसमें कुछ मुस्लिम युवकों के द्वारा पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए थे। उसका अफ्सर शाह समर्थन कर रहा था और अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर उक्त घटना के वीडियो डालकर समर्थन किया। दिलोद के जागरूक नागरिकों के संज्ञान में जब यह मामला आया तो उनके द्वारा अफ्सर शाह को समझाने पर गाली-गलौज और बदतमीजी की गई। इसी मामले को लेकर शाजापुर लालघाटी थाने पर पहुंचे, उक्त मामले की शिकायत दर्ज करवाई गई। लालघाटी पुलिस के द्वारा धारा 153 बी, 294 में मामला दर्ज कर अफ्सर शाह को गिरफ्तार कर लिया गया।

आचार्य श्री ऋषभचन्द्र सुरिश्वरजी मसा की स्मृति में आयोजित 5 दिवसीय 'पुण्य उत्सव' प्रारंभ

माही की गूंज, झाबुआ। श्री ऋषभदेव बावन जीनालय में चातुर्मास हेतु विराजित गच्छाधिपति आचार्य देवेश श्रीमद्विजय ऋषभचंद्र सूरीश्वरजी मसा के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनिराज श्रीरजतचंद्र विजयजी मसा तथा मुनि श्री जीतचन्द्र विजयजी मसा की पावन निश्रा में बुधवार को आचार्य श्री ऋषभचंद्र सुरिश्वरजी मसा की स्मृति में आयोजित 5 दिवसीय 'पुण्य उत्सव' और 'गणधर लब्धी तप' के तपस्या के अनुमोदन हेतु 'तप अभिनंदन समारोह' का आयोजन बुधवार को प्रथम दिवस सुबह 07 बजे श्री स्नात्र पूजन और भक्तामर स्त्रोत पाठ से प्रारम्भ हुआ। सुबह 9 बजे धर्मसभा तथा तपस्वी बहुमान के कार्यक्रम में धर्मचन्द्र मेहता ने गुरूदेव श्री ऋषभचंद्र सुरीजीकी गुरु वंदना करवाई। इसके बाद दोनों मुनीद्वय की वंदना की गई। मंगला चरण से धर्मसभा प्रारम्भ हुई। मुनीश्री रजत विजय जी म सा ने आचार्य श्री ऋषभचंद्र सुरीश्वरजी मसा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बालक अवस्था में ही गुरु देव ऋषभचंद्र सुरीजी को गुरुदेव वीध्याचान्द्र सुरीजी को उनके माता-पिता ने सुपर्द कर दिया था। उनके दीक्षा लेने के भाव इतने उच्च थे कि दीक्षा में देरी होने पर दो वर्ष तक साधु वस्त्र और सम्पूर्ण दिनचर्या सामायिक के साथ मोहनखेड़ा में गुजरती थी।

इसके पूर्व आचार्य श्री की मनमोहक तस्वीर की स्थापना लाभार्थी श्री नरेंद्र, श्वेता भंडारी उज्जैन वालों ने लिया। गहुली डॉ. नागिनलाल यशोदा बेन ने लिया। तस्वीर पर माल्यार्पण का लाभ सपना संघवी के 31 उपवास तपस्या निमित्त हस्तीमलजी सागरमल जी सांघवी ने किया। अतिथि के रुप में उपस्थित प्रकाश राका, भारत बाबेल, अशोक सकलेचा, संजय मेहता, अशोक काटारिया, हुक्मीचंद छाजेड़, मनोज मेहता, चातुर्मास समिति अध्यक्ष सुभाष कोठारी आदि ने गुरुदेव के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित किया। गुरु पद पूजन का लाभ अशोक कुमार बाबूलाल कोठारि शाजापुर वालों ने लिया।

इसके बाद मुख्य कार्यक्रम तप अभिनंदन समारोह प्रारम्भ हुआ। जिसमें लब्धी तप के तपस्वी एक-एक करके तपस्वी मंच की ओर आये और लाभार्थी परिवार की ओर से श्रीफल, शाल, अभीनंदन पत्र और श्री राकेश कुंदनमल बौराना की ओर से सभी तपस्वियों को सोने का सिक्का दिया गया। दोपहर में सपना संघवी के 31 उपवास की उग्र तपस्या निमित्त अनुमोदनार्थे चौवीसी, दोपहर 2 बजे श्रीआदिनाथ पंचकल्याणक पूजा व अंगरचना लाभार्थी रासिकलाल बाबुलाल शाह रहे। रात्रि 8.30 बजे भक्तिभावन का आयोजन हुआ। लाभार्थी शैलेष, रौनक, तपन शाह झाबुआ थे। कार्यक्रम का संचालन संजय कांठी ने किया।

पंजाबी कॉलोनी में डेंगू के अनेक मामले आए सामने

अधिकृत रूप से कोई भी डेंगू का मरीज शासकीय चिकित्सालय में नहीं- बीएमओ

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

नगर में विगत कुछ दिनों से विशेष कर 10 वर्ष से लेकर 20 वर्ष की उम्र के युवाओं में डेंगू बीमारी होने की पुष्टि परिजनों द्वारा की जा रही है। अधिकांश डेंगू प्रभावित मरीजों का उपचार झालावाड़ एवं भवानी मंडी के निजी चिकित्सालय में करवाया गया है। वंही शासकीय चिकित्सालय में डेंगू बीमारी से ग्रसित मरीजों के नहीं पहुंचने की पुष्टि बीएमओ डॉ. बीएल सिसोदिया द्वारा की गई है। श्री सिसोदिया ने बताया कि, शासकीय चिकित्सालय में अभी तक कोई डेंगू का मरीज नहीं आया है, वर्षा जन्य वायरल फीवर के कुछ मरीज जरूर आ रहे हैं, जिन्हें सर्दी-खांसी आदि की शिकायत मिलने पर मैंने स्वयं पंजाबी कॉलोनी में जाकर रुके हुए पानी लार्वा के नमूने लिए हैं एवं स्वयं खड़े होकर अनेक घरों की पानी की टंकियों में जमा पानी खाली करवाया है, साथ ही 2 बार दवाइयों का स्प्रे करवाया है।

कस्बा पटवारी कपिल गौड़ ने बताया कि, पंजाबी कॉलोनी स्थित श्रीराम मंदिर के पास कृषि भूमि शासकीय होकर बैरागी समाज के मंदिर पर दी हुई है। उपरोक्त कृषि भूमि में वर्षा का पानी छोटे तालाब की तरह भरा हुआ है एवं यह कॉलोनी से लगा होने से कॉलोनी में डेंगू के पांव पसारने की पुष्टि कॉलोनीवासी करते हैं। उक्त खेत से पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है।

तहसीलदार भानपुरा राकेश यादव ने बताया कि, मैंने स्वयं नगर परिषद की बैठक में इसे रखकर डेंगू बीमारी की रोकथाम हेतु आवश्यक निर्देश दिए है।

पूर्व पार्षद अनिता भूटानी के प्रतिनिधि एवं कांग्रेस के युवा नेता शीतल भूटानी ने बताया कि, मेरी माताजी श्रीमती अनीता भूटानी को डेंगू हुआ है और मैं स्वयं उनका झालावाड़ उपचार करवा रहा हूं, झालावाड़ के अस्पताल में डेंगू की पुष्टि हुई है।

श्री वधवा ने बताया कि, विगत दिनों से कॉलोनी की अनेक स्ट्रीट लाइटें बंद है एवं खेत एवं अन्य स्थान पर कॉलोनी में झाड़ियां काफी हो रही हैं, जिन्हें नगर परिषद के जवाबदेह दरोगा शंभू दयाल तिवारी से अनेक बार कहने के बाद भी समाधान नहीं निकला है। कॉलोनी में किसी तरह का छिड़काव नहीं करवाया गया है।

गूंज ने पंजाबी कॉलोनी में जाकर जानकारी प्राप्त की तो युवा जेनिल पिता हरीश वधवा, कविता पुत्री दिलबाग राय वधवा, विशाल पिता सरोज वधवा, राधिका पिता दिनेश वधवा, धैर्य पिता लोकेश वधवा सहित अन्य कॉलोनी वासियों ने भी डेंगू का उपचार करवाए जाने की बात स्वीकार की है।

सीता बाई पति दिलबाग राय वधवा ने बताया कि, षासकीय चिकित्सालय भानपुरा में डष्क्टरों का अभाव ळे इसलिए बीमारों को बाहर ले जाना प्ड़ता ळें कष्लोनी में स्थित खेत में पानी भरा होने के चलते ही डेंगू बीमारी के बढ़ने का खतरा बढ़ गया ळे, जिसे समय रहते ठीक नहीं किए जाने पर यह गंभीर बीमारी और भी लगातार बढ़ने की संभावना बढ़ गई हैं।

क्रोध जनित विवाद, हत्या से आजीवन कारावास तक...

नरेंद्र तिवारी

क्षणिक गुस्सा कितना खतरनाक रूप धारण कर सकता है, सगे रिश्तों में दरार पैदा कर सकता है। समाज में व्याप्त एकता को खण्ड-खण्ड कर सकता है। गुस्से या क्रोध के वशीभूत व्यक्ति अंधा हो जाता है। इस दौरान उसे घटना से उपजे परिणामों का अंदाजा भी नहीं रहता है। गुस्से या क्रोध के परिणाम सदैव घातक ही निकलते है। एक आम आदमी को चाहिए कि, वह अपने गुस्से को नियंत्रित रखे। यह स्वभाव का बड़ा दुर्गुण है, एक बीमारी है, जो मनुष्य की सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित करती है। क्रोध के क्षणिक आवेश में आकर 10 जिंदगियों को जेल की सलाखों के पीछे भी जाना पड़ सकता है। यह प्राकृतिक सत्य है की 'गुस्सा नाश की जड़ है', इसका परिणाम अधिकांश दुखदायी ओर पीड़ाजनक ही होता है।

मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले की सबसे प्रमुख तहसील सेंधवा के प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा 17 अगस्त को पारित निर्णय में 10 व्यक्तियों को आजीवन कारावास एवं जुर्माने की सजा से दण्डित किया गया। उक्त विवाद समाज की धर्मशाला से लिए गए कुछ बर्तनों को नहीं लौटाए जाने को लेकर हुआ था, जिसमे साधारण बातचीत ओर क्षणिक गुस्से का परिणाम समाज के अध्यक्ष सुरेश मौजीलाल राठौड़ की हत्या के परिणाम के तौर पर सामने आया था। समाज की धर्मशाला से लिए बर्तनों के विवाद की यह घटना 4 अक्टूम्बर 2018 को रात 10 बजे घटित हुई थी, जिसमे एक ही समाज के रिश्तेदारों के मध्य लात-घुसे पत्थर चले और इस घटना में घायल हुए समाज अध्यक्ष की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। सेंधवा शहर थाने में दर्ज इस प्रकरण में स्थानीय अपर सत्र न्यायालय ने अपने निर्णय में 10 आरोपियों को समाज अध्यक्ष सुरेश मौजीलाल की हत्या के लिए दोषी मानते हुए 17 अगस्त 2021 को आजीवन कारावास एवं जुर्माने की सजा से दण्डित किया गया है।

इस पूरे घटनाक्रम को निकट से देखने वाले राठौड़ तेली समाज के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के पूर्व समाज में पूरी तरह सामाजिक एकता विद्यमान थी। समाज ने इसी एकता के बल पर बड़े-बड़े सामूहिक आयोजनों को अंजाम दिया था। घटना के बाद समाज दो अलग-अलग गुटों में विभाजित हो गया है। निकट के रिश्तों में दरारें आ गई है। समाज की चर्चित एकता विखण्डित हो गई है। अब रिश्तों में डर और भय का माहौल बन गया है।

आजीवन कारावास की सजा से दण्डित अधिकांश मुलजिम 30 से 40 वर्ष की उम्र के है जिनके ऊपर परिवार की महती जिम्मेदारी है। इन आरोपियों में से अधिकांश का कोई आपराधिक अतीत भी नहीं रहा है। क्रोध जनित एक घटना ने इनकी हँसती-खेलती जिंदगी को बदल दिया और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है।

इस घटना में साफदिखाई दे रहा है कि सामाजिक स्तर पर एक दिखाई देने वाला समाज एक क्षणिक गुस्से के परिणाम स्वरूप बिखर जाता है। आपस का मेलजोल खत्म हो जाता है। इस घटना के बाद 10 परिवारों के सामने गुजर-बसर का प्रश्न भी खड़ा हो गया है। माता-पिता, पत्नी, बच्चे असहाय ओर लाचार होकर देख रहें है।

समाज मे घटित अधिकांश अपराधों में गुस्सा एवं नशा सबसे बड़ा कारण है। इसे दृष्टिगत रखते हुए न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से जेलों में जागरूकता शिविर का आयोजन भी करती है। इन शिविरों में कैदियों को गुस्से पर नियंत्रण के लिए योग सिखाया जाता है। इन शिविरों में न्यायाधीश सहित अधिवक्तागण भी शामिल होते है।

क्रोध मानवीय स्वभाव के लिए घातक है। विचारक मार्क ट्वेन गुस्से के विषय मे लिखतें है, 'क्रोध एक एसिड है, जो उस बर्तन को अधिक नुकसान पहुचा सकता है, जिसमें उसको रखा जाता है।' गौतम बुद्ध के शब्दों में, 'क्रोध को पाले रखना गर्म कोयले को किसी ओर पर फैंकने की नीयत से पकड़े रहने के समान है, इसमे आप भी जलते है।' क्रोध के परिणामों पर सबसे सटीक कथन दार्शनिक पाइथोगोरस द्वारा व्यक्त किए गए उनके अनुसार 'क्रोध मूर्खता से प्रारम्भ ओर पश्चाताप पर खत्म होता है।'

इन महान विचारकों द्वारा सुझाए विचार अनुभवों की पाठशालाओ से उपजें है जो मानवीय जीवन को क्रोध का शमन करने की राह बताते है। समाज के मसलों ओर विवादों का निराकरण शांतचित्त मन से आपस मे मिलजुल ही किया जाना चाहिए, अति उत्साह में गुस्से, क्रोध, आवेग ओर आवेश से वशीभूत होकर किए कार्यों के परिणामों का अंत घातक साबित होता है। जो मधुर रिश्तों के बीच कभी न टूटने वाली दीवार खड़ी कर देता है। क्रोध नाश की जड़ है। इसका मुकाबला प्रेम ओर शांति से ही किया जाना चाहिए। आए दिन हम देखते है कि, क्रोध के कारण बड़ी-बड़ी आपराधिक घटनाएं घटित होती है जो लम्बे कानूनी पचड़े में पड़ने पर मजबूर करती है, जेल भी पहुंचा सकती है। इससे बचने का एकमात्र उपाय शांत चित्त मन से विषयों पर विचार करने, गुस्सा आने पर इसे त्वरित शांत करने, योग और ध्यान का सहारा लेकर इसे नियंत्रित करने के विषय मे सोचना चाहिए। क्रोध से बचे इसका परिणाम अधिकांशत कष्टकारी होता है। एक साधारण बर्तनों से जुड़ा विवाद हत्या और फिर आजीवन कारावास की सजा भोगने पर मजबूर कर देता है।

न्यूज ब्रीफ

वर्ष की दूसरी लोक अदालत होगी आयोजित

माही की गूंज, खरगोन। 11 सितंबर को आयोजित होने वाली लोक अदालत वर्ष 2021 की दूसरी लोक अदालत होगी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली और म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला सत्र न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने 11 सितम्बर को आयोजित होने वाली लोक अदालत के लिए जिला एवं तहसील के समस्त न्यायालयों को निर्देशित किया है।

उक्त नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश शमरोज खान ने बताया कि, नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण कराने से समय तथा खर्चो की बचत होती है। न्यायालय प्रक्रिया से राहत मिलती है। यह विवादों को निपटाने की सरल एवं निष्पक्ष प्रक्रिया है। प्रकरणों को लोक अदालत में रख दोनो पक्षों को समझाईश दी जाएगी ताकि वे आपसी सहमति से समझौते कर सके। लोक अदालत में न्यायालयीन लंबित मामलों में आपराधिक शमनीय प्रकरण, पराक्राम्य लिखित अधिनियम की धारा 138 के प्रकरण, बैंक रिकवरी प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा क्षतिपूर्ति प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद प्रकरण, भू-अर्जन के प्रकरण, विद्युत एवं जल कर/बिल संबंधी प्रकरण, दिवानी प्रकरण तथा प्रीलिटिगेशन (मुकदमा पूर्व) मामलों का निराकरण किया जाएगा। द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री खान ने अपील की है कि, नेशनल लोक अदालत का लाभ लेते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों का परस्पर सुलह समझौते के माध्यम से निराकरण कर लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करे।

अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के वॉलेंटियर्स का मिला सहयोग

माही की गूंज, खरगोन। म.प्र. शासन द्वारा प्रारम्भ हुए दो दिवसीय वैक्सीनेशन महाअभियान में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के वॉलेंटियर्स का अच्छा सहयोग मिला है।

कसरावद एसडीएम संघप्रिय ने बताया कि, कसरावद जनपद के 24 गांवों में फाउंडेशन के 48 वॉलेंटियर्स और सीएचडब्ल्यू का टीकाकरण केन्द्रों पर सहयोग मिला। इनके द्वारा वेरीफायर और पूर्व टीके की तारीख तथा टीके के बारे में जानकारी प्राप्त की जाती है।

राज्य स्तरीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन

माही की गूंज, खरगोन। धार जिला कैमरामेन एसोसिएशन एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी धारा द्वारा राज्य स्तरीय फोटोग्राफी प्रतियोगिता 2021 का आयोजन किया जा रहा है। 7 सितम्बर तक प्रदेश के फोटोग्राफर सिर्फ तीन फोटों की इंट्री भेज सकते हैं। इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए 199 रुपए फीस रखी गई है। नेचर और वाईल्ड लाईफ फोटोग्राफी के प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपए, द्वितीय 11 हजार रुपए एवं तृतीय 5 हजार हजार रुपए और 5 सात्वना पुरस्कार दिए जाएंगे।

चलित खाद्य प्रयोगशाला का नगर में भ्रमण

माही की गूंज, खरगोन। मिलावट में मुक्ति अभियान के तहत 19 सितम्बर से 23 सितम्बर तक चलित खाद्य प्रयोगशाला खरगोन भ्रमण पर रहेगी। भ्रमण के दौरान मिलावट में मुक्ति अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की जांच की जाएगी। स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट के प्रति जागरूक करने, एवं खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट की जांच करने के लिए प्राथमिक परिक्षण का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शासकीय सर्वे नंबर 557 की भूमि को बचा पाएगा क्या शासन...?

माही की गूंज, मेघनगर।

नगर के झाबुआ-थांदला मुख्य मार्ग पर स्थित शासकीय सर्वे नंबर 557 वर्तमान तक भी राजस्व अभिलेखों में शासकीय भूमि होना रिकॉर्ड में दर्ज है। इसी सर्वे नंबर पर शासकीय क्वार्टर बने होकर शासकीय कार्यालय भी निर्मित है। कुछ भूखंडों की वर्षों से रजिस्ट्री करवा कर राजस्व अभिलेखों में उक्त सर्वे नंबर 557 पर अपना नामंतरण करवाने के अथक प्रयास कर रहे नगर के गुप्ता बंधुओं ने शासकीय कर्मचारियों को अपने माया जाल में फंसाने का भी अथक प्रयास किया था, परंतु गुप्ता बंधु सफल न हो सके।

ये है मामला

गुप्ता बंधु के पास भूखंड क्रमांक 28 सी, 29 सी, 30 सी की रजिस्ट्री है परंतु इन रजिस्ट्रीयों में उक्त सर्वे नंबर 557 कहीं भी अंकित नहीं किया गया। उक्त रजिस्ट्री की आड़ में नगर की बेशकीमती शासकीय भूमि को हड़पने का प्रयास किया जा रहा था, जिसके संबंध में मामला न्यायालय में दीवानी प्रवर्तन प्रकरण क्रमांक 2/12 के माध्यम से कब्जा प्राप्ति की मांग की गई थी। उक्त प्रकरण में थांदला न्यायालय ने अनुविभागीय अधिकारी से जानकारी चाही, जिस पर अनुभागीय अधिकारी थांदला ने 26 फरवरी 2012 को सर्वे नंबर 557 की स्टेट्स रिपोर्ट मेघनगर तहसीलदार से मांगी। जिस पर मेघनगर तहसीलदार ने 27 फरवरी 2013 मे अपने पटवारी गिरधावर के माध्यम से सर्वे क्रमांक 557 की स्थिति से एसडीओ थांदला को अवगत कराते हुए बताया गया कि, उक्त सर्वे नंबर विकासखंड नजूल का होकर जिसमे शासकीय क्वार्टर एवं शासकीय कार्यालय बीआरसी भवन, महिला बाल विकास भवन, कौशल उन्नयन केंद्र स्थित होकर भूखंड क्रमांक 28 सी, 30 सी की चतुर सीमा का मिलान नहीं दर्शाया गया था। जिसके बाद गुप्ता बंधु का प्रकरण समाप्त किया गया था। परंतु वर्ष 2015 में अपने रसूख के चलते फर्जी तरीके से मेघनगर एसडीओ से भूखंड क्रमांक 29 सी पर निर्माण की अनुमति 16 जुन 2015 को प्राप्त की और निर्माण कार्य चालू किया गया था, जिस पर नगर के जागरूक नागरिक और पार्षदगण ने जिले के प्रभारी मंत्री से शिकायत की गई एवं शासन को अवगत करवाया। जिसके बाद तत्कालीन तहसीलदार केएस गौतम द्वारा वर्ष 2018 में कलेक्टर के निर्देशानुसार उक्त निर्माण की सूक्ष्म जांच की गई और उक्त भूखंड जिस पर निर्माण कार्य किया जा रहा था उसको शासकीय मानते हुए जमींदोज किया गया था। उस समय उक्त निर्माण की अनुमति बिना नामांतरण के होना भी शंकाप्रद थी। वर्ष 2019 में गुप्ता बंधु द्वारा पुनः 28 सी, 29 सी, 30 सी का नामांतरण आवेदन तहसील न्यायालय में प्रस्तुत किया, जिस पर नगर के पूर्व सरपंच स्व. पुरुषोत्तम प्रजापति एवं पत्रकारों, पार्षदों ने पुनः नामंत्रण पर आपत्ति दर्ज करवाई। जिसको नजरअंदाज करते हुए तहसीलदार ने अपने आशीर्वाद स्वरूप गुप्ता के 2 भूखंड 28 सी और 30 सी का नामांतरण कर दिया और भूखंड क्रमांक 29 सी की नामंत्रण कार्रवाई स्थगित रखी गई थी। मार्च 2021 में तहसीलदार हर्षल बहरानी ने उक्त स्थगित कार्रवाई को नामांतरण के रूप में अंजाम दिया।

ऐसा क्या कारण रहा कि, उक्त भूखंड के बारे में वर्ष 2013 में शासकीय बताकर रजिस्ट्री से चतुर सीमा का मिलान न होना बताया गया था और वर्ष 2018 एवं 2021 में उक्त भूखंड के चतुर्सीमा का मिलान होना बताकर नामंतरण आदेश पारित किया गया जो कि, अपने आपमें शंका को जन्म देता है।

इस बात की खुशी है कि ये राखियां आपने बनाई- मंत्री डंग

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान उत्सव के अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग का तिलक व आरती, गुलाब के फूल तथा स्वयं के द्वारा निर्मित राखियां बांधकर स्वागत किया। मंत्री श्री डंग ने राखियां का अवलोकन करते हुए कहा कि, मुझे इस बात की खुशी है कि ये राखियां आपने बनाई हैं। ओम सोनी, जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, पूर्व सांसद सुभाष पटेल, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल, विक्रम चैहान सहित गणमान्यजन और टीकाकरण करवाने वाले व्यक्तियों को प्रीति गुलवानिया, डॉ. ज्योति जोषी उपाध्याय, किरण वर्मा, दीक्षा चैहान ने राखियां बांधी और मिठाई खिलाई।

जनप्रतिनिधियों ने राखियों का क्रय करके छात्राओं का उत्साह बढ़ाया और उन्हें स्वरोजगार करने की प्रेरणा दी। ज्ञात हो कि, प्राचार्य डॉ. एन एल गुप्ता के मार्गदर्षन में राखी निर्माण प्रशिक्षण कार्यषाला संचालित की गई थी, जिसमें 1 हजार 5 सौ से अधिक राखियां बनाई गईं।

प्रीति गुलवानिया और डॉ. ज्योति जोशी उपाध्याय ने कहा कि, कोविड-19 के सुरक्षा चक्र के साथ ही हमने राखी के माध्यम से रक्षाकवच बांधकर दोहरी सुरक्षा की। कॅरियर काउंसलर डॉ. मधुसूदन चैबे ने कहा कि, यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि प्रभारी मंत्री ने कॅरियर सेल के कार्यों की प्रषंसा की। इस अवसर पर कॅरियर सेल के कार्यकर्तागण राहुल मालवीया, अंकित काग, जितेंद्र चैहान, आवेष खान, राहुल भंडोले, राहुल सेन, विनोद मकवाने ने सहयोग किया।

वैक्सीनेशन अभियान का उमंग एवं जोश छाया रहा चहुंओर

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में दो दिवसीय वैक्सीनेशन महा अभियान प्रारंभ हुआ। इसके लिए जिले में प्रथम दिन 299 वैक्सीनेशन केन्द्र बनाए गए थे। इसमें से कई केन्द्रों पर दिन भर लोगों की लाईन, वैक्सीनेशन कराने हेतु लगी रही, जिसके कारण इन केन्द्रो पर पुनः वैक्सीन पहुंचाना पड़ी। जिले के प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग एवं कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने भी जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रो में पहुंचकर वैक्सीनेशन कार्य का निरीक्षण कर लोगो को प्रोत्साहित किया।

प्रभारी मंत्री ने किया युवाओं का सम्मान

जिले के प्रभारी मंत्री हरदीपसिंह डंग ने भी बड़वानी नगर के वैक्सीनेशन केन्द्र का निरीक्षण कर, युवाओं के उत्साह को प्रोत्साहित करते हुए जहां उनके साथ फोटो सेशन करवाया। वही युवाओं को प्रोत्साहन स्वरूप उपहार भी भेंट किया। इस दौरान उन्होने विश्वास व्यक्त किया कि, जिस प्रकार बड़वानी के नागरिकों ने वैक्सीनेशन अभियान के प्रथम दिन उत्साह दिखाया है। वैसा ही उत्साह अभियान के दूसरे दिन भी दिखायेंगे। जिससे बड़वानी जिला प्रदेश में सर्वाधिक वैक्सीनेशन करवाने वाले जिलों में शुमार रहे।

निमाड़ का पहला स्वास्थ्य केन्द्र जो राष्ट्रीय मापदंडों पर खरा उतरा

माही की गूंज, खरगोन।

कोरोना की अग्नि परीक्षा में हर अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र अपना 100 प्रतिशत योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी बीच खरगोन जिले ने स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। करही के स्वास्थ्य केन्द्र में हर रोगी मरीज को ओपीडी में राष्ट्रीय स्तर की सुविधा, लेबर रूम में उच्च स्तरीय व्यवस्था, आईपीडी में बेहतर ख्याल पैथोलॉजी में उत्कृष्ट जांच। वहीं राष्ट्रीय कार्यक्रमों में कुशलता और सामान्य प्रशासन में पूरी तन्मयता से रोगियों का ख्याल रखने की गारण्टी मिली। वैसे तो करही का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कायाकल्प अभियान में लगातार 5 वर्षों से प्रदेश में धाक जमा रहा है। इस स्वास्थ्य केन्द्र की गुणवत्ता को देखते हुए राज्य शासन ने राष्ट्रीय गुणवत्ता गारण्टी प्रमाणिकता के लिए चुना गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी मनीष भद्रावले ने बताया कि, 16 जुलाई को वर्चूअल हुए असीसमेंट में करही के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ने प्रदेश में प्रथम स्थान पाया है। गुणवत्ता प्रमाणिकरण के लिए 95.77 प्रतिशत अक हासिल किए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की अपर सचिव एवं मिशन निदेशक श्रीमती वंदना गुरनानी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के बधाई संदेश भेजा है। क्वालिटी नोडल प्रतीक ने बताया कि करही केन्द्र को अब इस सर्टिफिकेशन होने के बाद 1 लाख रूपए की राशि प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।

विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूज, बड़वानी।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश गुप्ता व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी के निर्देशन में महिला डेस्क/परिवार परामर्श केंद्र में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित जनों को कानूनी संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही 11 सितम्बर को होने वाली लोक अदालत के बारे में समझाया। इस दौरान विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नंबर 15100, महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 की जानकारी दी। साथ ही कोरोना वैश्विक महामारी से बचने हेतु मास्क पहनने के साथ-साथ शासन की गाईडलाइन के बारे में बताया गया। इस दौरान लोगों को जिले में चल रहे वैक्सीनेशन महाअभियान के बारे में बताकर टीकाकरण लगवाने हेतु प्रेरित किया गया।

वैक्सीनेशन महाअभियान जिंदगी बचाने का अभियान- कृषि मंत्री पटेल

जूम मीटिंग के माध्यम से आदर्श केन्द्र का किया शुभारंभ

माही की गूंज, खरगोन।

प्रदेश के कृषि मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल ने कहा कि, 25 और 26 अगस्त का महाअभियान जिंदगी बचाने का अभियान है। इसलिए हम सब पर यह जिम्मेदारी है कि हमारे आस-पास, पड़ोसी, मोहल्ले, गलियों और जहां कहीं भी हमारे रिश्तेदार है उन्हें टीका लगाने के लिए जरूर कहे। टीके के प्रति उत्साह और उमंग सेहत के लिए होगा। हमारी सेहत के लिए उत्साह और उमंग दिखाना हमारे हित में होगा। मेरा आप सभी से अनुरोध है, टीका लगवाए। क्योंकि हमारा शरीर ठीक तरह से काम करे इसके लिए जरूरी है कि हम स्वस्थ्य रहे और स्वस्थ्य रहने के लिए कोविड-19 का टीका बेहद जरूरी है।

कृषि मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने जूम मीटिंग के माध्यम से पीजी कॉलेज स्थित आदर्श वैक्सीनेशन केन्द्र का शुभारंभ किया। शुभारंभ के पश्चात प्रभारी मंत्री श्री पटेल ने टीका लगवाने आए हितग्राहियों और नर्स से संवाद भी किया।

जिम्मेदारी समझी इसलिए आपका शुक्रिया

कृषि मंत्री श्री पटेल ने पीजी कॉलेज में टीका लगवाने आए मधुसुधन जायसवाल से संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य का हाल जाना। कृषि मंत्री श्री पटेल ने मधुसुधन से पूछा कि, टीका लगवाने के बाद कैसा महसूस कर रहे हैं? क्या आपके परिवार में सभी ने टीका लगवाया है? मधुसुधन ने कहा कि, पहला टीका लगवाने के बाद उन्हें कोरोना के प्रति जंग का एहसास हुआ है और दूसरा टीका लगाने के बाद मैं सुरक्षित महसूस कर रहा हूं। मेरे परिवार में सभी सदस्यों ने टीका लगवाया है।

कृषि मंत्री ने शोभा भागवत से संवाद करने के पश्चात पीजी कॉलेज आदर्श वैक्सीन केन्द्र पर वैक्सीनेटर का काम करने वाली नर्स पूनम साहू से संवाद करते हुए कहा कि, स्वास्थ्य विभाग का पूरा अमला वैक्सीन महाअभियान में अपना अतुलनीय योगदान दे रहा है। आपका और पैरामेडिकल स्टॉप को कोटि-कोटि धन्यवाद और शुभकामनाएं।

जूम मीटिंग के माध्यम से कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने खरगोन शहर सहित पूरे जिले में बनाए गए केन्द्र और लक्ष्य के बारे में कृषि मंत्री श्री पटेल को जानकारी दी। जूम मीटिंग में पूर्व विधायक बाबूलाल महाजन, जनप्रतिनिधी परसराम चौहान, संकट प्रबंधन समूह के सदस्य ओम पाटीदार, राजू चावला, कल्याण अग्रवाल, सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान, सिविल सर्जन डॉ. दिव्येश वर्मा, टीकाकरण अधिकारी डॉ. संजय भट्ट, एसडीएम सत्येन्द्र सिंह, नगरपालिका सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल मौजूद रहे।

नौ दिन चलेगा टेलेन्ट सर्च आयोजन

माही की गूज, खरगोन।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रामीण अंचलों, कस्बों और जिले स्तर में छिपे हुए प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर मौका देने के उद्देश्य से 27 अगस्त से 4 सितम्बर तक टेलेन्ट सर्च का आयोजन किया जाएगा।

जिला खेल अधिकारी पवि दूबे ने बताया कि 27 अगस्त से 4 नवम्बर तक चलने वाले टेलेन्ट सर्च कार्यक्रम का आयोजन 27 अगस्त को सेगांवा का पीजी कॉलेज मैदान खरगोन में एवं 27 अगस्त को भगवानपुरा का स्टेडियम मैदान खरगोन में टेलेन्ट सर्च का आयोजन होगा। इसी तरह 28 अगस्त को गोगांवा का स्टेडियम मैदान/पीजी कॉलेज खरगोन में, 29 अगस्त को खरगोन का स्टेडियम मैदान/पीजी कॉलेज मैदान खरगोन व 31 अगस्त को भी खरगोन का पीजी कॉलेज मैदान में व 31 अगस्त को झिरन्या का स्टेडियम मैदान खरगोन में, 1 सितम्बर को भीकनगांव का स्टेडियम मैदान/पीजी कॉलेज मैदान खरगोन में, 2 सितम्बर को कसरावद का स्टेडियम मैदान/पीजी कॉलेज मैदान खरगोन, 3 सितम्बर को बड़वाह का शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. महेश्वर में, 4 सितम्बर को महेश्वर का शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि. महेश्वर में में टेलेन्ट सर्च का आयोजन किया जाएगा।

दो माह से बिजली के बिल दे रहे उपभोक्ताओं को झटके पर झटके

कोरोना काल में नहीं ली रीडिंग, सब्सिडी से बाहर हुए कई उपभोक्ता

माही की गूंज, आम्बुआ। असलम मकरानी

नंगे हाथ, बगैर चप्पल-जूते पहने यदि बिजली तार छू जाए तो जो झटका लगता है उससे बड़ा झटका इन दिनों हाथ में आ रहे बिजली के बिल दे रहे हैं। समझ में नहीं आ रहा है कि, कोरोना कर्फ्यू में बंद पड़ी दुकानों के मीटर इतने कितने घूमें और घरों में बैठे लोगों ने कौन सी फैक्ट्रियां चला दी कि, सैकड़ों से नीचे आने वाले बिल हजारों में आने लगे। जिन्हें राज्य शासन की सब्सिडी मिल रही थी वह भी योजना से बाहर हो गए।

कोरोना काल में तो यु भी लोगों का धंधा-व्यवसाय चौपट हो गया। मेहनत करने वाले मजदूर बेरोजगार होकर बैठे हैं। ऐसी स्थिति में बिजली विभाग ने भी कोरोना कर्फ्यू के समय विद्युत मीटरों की रीडिंग नहीं ली। यदि दुकानें बंद थी तो घर पर लोग घरों में रह रहे थे, वहां भी रीडिंग तो ली ही जा सकती थी मगर नहीं ली गई। मोबाइल पर अनुमानित बिल भेजे जाते रहे, जिन्हें कई उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन भरे भी। मगर अब पिछले माह से रीडिंग लेना चालू किया गया है। विगत दो-तीन माह से रीडिंग नहीं लेने के कारण वर्तमान में रीडिंग बढ़ जाने के कारण सबसे अधिक नुकसान उन्हें हो रहा है, जिन्हें राज्य शासन की सब्सिडी योजना का लाभ मिल रहा था, जो अब वह नहीं मिल पा रहा है। ÷कंगाली में आटा गीला÷ वाली कहावत उपभोक्ताओं पर सटीक बैठ रही है। बिजली के बिलों के ऐसे ही झटके खा रहे उपभोक्ता राजाराम राठौड़ का बिजली बिल 10 हजार 542 रुपए, संतोष राठौड़ का बिजली बिल 13 हजार 950 रुपए, गोपाल राठौड़ का बिजली बिल 9 हजार 338 रुपए, कैलाश सेन को लगभग 9 हजार रुपए के अलावा ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं जिनके बिजली बिल जनवरी, फरवरी, मार्च में 100 रुपए से लेकर 500 रुपए के मध्य आते थे। उन्हीं में से अनेक उपभोक्ताओं को जुलाई में दिए जा रहे बिल कि रकम 10 हजार रुपए से भी अधिक आने से बिल हाथ में लेते ही हजारों वाल्ट के करंट जैसे झटके ने होश उड़ा दिए, जिससे उपभोक्ता परेशान है।

बड़े तो बड़े छोटे भी सुभानल्लाहः बिना हेलमेट व नाबालिग के हाथ में सरपट दौड़ती बाइक

माही की गूंज, आम्बुआ।

जान है तो जहान है, धीमे चलें सुरक्षित पहुंचे, कोई आपका इंतजार कर रहा है, आदि घूमते वाहन चालकों को सुरक्षित वाहन चलाने की ओर इंगित करते हैं। इन्हीं में हेलमेट पहने सुरक्षित रहे भी शामिल है। मगर देखा जा रहा है कि, न्यायालीन आदेश तथा यातायात नियमों में हेलमेट पहनने तथा नाबालिगों के वाहन नहीं चलाने के कितने भी आदेश दिए जाए, मगर उनका पालन कौन करें...? कौन कराए...? यह प्रश्न हमेशा ''मुंहवाऐ'' खड़ा रहता आया है।

विगत वर्षों में कहें या महीनों में जितनी भी सड़क दुर्घटनाएं हुई है तथा उन में हुई मौत या अपंगता सर्वाधिक दुर्घटनाएं करिब-करिब दो पहिया वाहनों की है। जितनी भी जाने गई उनमें से अधिकांश वे मरे जिन्हें हेलमेट सिर पर बोझ लगता था या जो यातायात के नियमों को ठेंगा दिखाने का प्रयास कर रहे थे। न्यायालय के आदेश है कि, हेलमेट पहनना जरूरी है मगर कोई इक्का-दुक्का छोड़ दे तो अधिकांश वाहन चालक बगैर हेलमेट के वाहन चलाते देखे जाते हैं। यहां तक कि जिन विभागों (यातायात एवं पुलिस) के कंधों पर इस नियम के पालन की जवाबदारी रखी गई है वह स्वयं खुल ासर या विभागीय टोपी लगाकर उनके भी सरपट दो पहिया वाहन दौड़ाते नजर आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में वे किसी अन्य को हेलमेट के नियम को कैसे पालन करने की नसीहत देंगे। जो कर्मचारी सड़क पर खड़े होकर चालानी कार्रवाई कर दंड वसूलते हैं वे स्वयं कितना नियम पर चलते हैं यह भी देखा जाना जरूरी माना जा रहा है...!

एक आदेश निकला था जिसके तहत कोई नाबालिक वाहन चलाते हुए कोई दुर्घटना कर देता है या चलाते पाया जाता है, तो उस नाबालिग के साथ-साथ पालक या वाहन देने वाले वाहन मालिक के खिलाफभी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ''बड़े तो बड़े छोटे भी सुभानल्लाह'' की कहावत चरितार्थ होकर देखा जा रहा है कि, बड़े व जवाबदार यातायात नियमों का पालन नही कर रहे है, ऐसे में अवयस्क बच्चे दो पहिया, चार पहिया तथा भरी ट्राली सहित ट्रैक्टर चलाते हैं जिनके पांव ब्रेक तक भी नहीं पहुंचते हैं, ये वाहन चालक प्रतिदिन पुलिस थानों व चौकियों के सामने से आंधी-तूफान की गति से वाहन उड़ाते देखे जा सकते हैं। इन्हें रोकने वाला भी कोई नहीं होने से इनके हौसले बुलंदी पर है। ऐसे अवयस्को के हाथों कितनी ही दुर्घटनाएं हो चुकी है और आगे भविष्य में और अनदेखी की गई तो कितनी और दुर्घटनाएं होकर काल के ग्रास बन सकते हैं, यह चिंतन का विषय होना चाहिए।

प्रभारी मंत्री ने किया कोरोना टिकाकरण केन्द्र का निरीक्षण

माही की गूंज, जोबट। विकास खण्ड के कोरोना टीकाकरण सेंटर पर केबेनेट मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धन दत्तीगांव ने निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्दश दिए। इस अवसर पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष दीपक चौहान द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जोबट में मेडिकल उपकरण के साथ ही बेसिक लाइफसपोर्ट सिस्टम एम्बुलेंस की मांग की गई। जिस पर प्रभारी मंत्री ने दिशा निर्देश दिए एवं सभी मांगो को तत्काल पूरा करने का आश्वाशन दिया। प्रभारी मंत्री राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव को वैक्सीनेशन की पहल पर भीली भाषा में बनाई शॉर्ट फिल्म को उन्होंने रुककर देखा और उक्त शॉर्ट फिल्म की सराहना भी की।

या हुसैन के नारों के साथ करबला पर ताजियों को किया ठंडा

माही की गूंज, आम्बुआ।

इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम जमात द्वारा मोहर्रम पर ताजियों का निर्माण किया जाता है। कस्बे में मुस्लिम समाज के कुछ परिवारों द्वारा हर वर्ष मोहर्रम के मौके पर ताजियों का निर्माण किया जाता रहा है। इस वर्ष भी 6 से 7 परिवारों ने आकर्षक ताजियों का निर्माण कर उन्हें पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में रखा गया। बरसात के कारण तिरपाल की व्यवस्था कर सुरक्षित रखा गया, यहां पर कई लोगों ने अपने बच्चों की मनौती पूर्ण की जिन्हें फूलों व मिठाई आदि से तोला गया। मुस्लिम जमात के साथ ही हिंदू समाज के कई परिवारों ने भी माथा टेका लगभग सभी ने देश में अमन चैन की दुआ मांगी। 2 रात व 1 दिन तक रखने के बाद कोरोना गाईडलाइन के पालन के साथ हथनी नदी पर स्थित कर्बला पर जाकर ताजियों को ठंडा किया गया।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने किए ताजियों के दर्शन

आम्बुआ में जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल ने शिरकत की तथा ताजियों के दर्शन किए। कस्बे में सोहराब खां, इस्माइल खां, कमालुद्दीन, ग्यासुद्दीन आदि के परिवार ताजिए बनाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी इमाम हुसैन की याद में ताजियों का निर्माण किया गया। एक ताजिया भारत के नक्शे के आकार का बनाया जाकर उसके दिल में ख्वाजा गरीब नवाज अजमेर वाले का सुंदर चित्र बनाया गया जो कि आकर्षण का केंद्र रहा। इन्हीं ताजियों के दर्शनार्थ जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल आम्बुआ आए, जहां पर समाजजनों ने गर्मजोशी के साथ उनका इस्तकबाल किया तथा उन्हें फूलों से तौला गया। महेश पटेल ने सभी ताजियों पर जाकर फूल फूल अर्पित कर देश तथा प्रदेश के साथ अलीराजपुर जिले में अमन शांति की प्रार्थना की। पटेल के साथ सानी मकरानी, वसीम बलोच, इरफान मंसूरी तथा आम्बुआ के कई कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शुभ मुहूर्त में मनाया भाई-बहन के पवित्र प्रेम का त्यौहार

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधे रक्षा सूत्र

माही की गूंज, आम्बुआ।

श्रावण मास के समापन पर श्रावण पूर्णिमा के दिन को रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाता है। 23 अगस्त को क्षेत्र में यह त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। त्योहार पर महंगाई की छाया भी देखने को मिली। राखी, मिष्ठान एवं उपहार के सामानों के भाव आसमान पर होने से बिक्री पर असर भी पड़ा है। वर्ष में एक बार हिंदू ही नहीं अपितु अन्य धर्मों में भी भाई-बहन के पवित्र प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन मनाया जाता है। श्रावण मास की पूर्णिमा से लेकर जन्माष्टमी तक इस त्यौहार को मनाया जाता है। अधिकतर परिवार में पूर्णिमा को रक्षा सूत्र बांधे जाते हैं। इस वर्ष महंगाई के बीच यह पावन त्यौहार 22 अगस्त को शुभ मुहूर्त में मनाया गया। बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही, यात्री वाहनों में भी भीड़ अधिक रही। बहनें जो कि बाहर रहती है जिनके विवाह हो गए हैं वे अपने अपने मायके (भाई के घर) रक्षा सूत्र लेकर उपस्थित हुई तथा भाइयों को तिलक कर श्रीफल देकर रक्षा सूत्र बांधे व मिठाई भी खिलाई। भाइयों ने भी यथोचित उपहार अपनी लाडली बहन को दिए साथ ही उनकी रक्षा का वचन भी दिया।

पिता के साथ दो बेटों ने लोहे की रॉड से किया जानलेवा हमला, दो जख्मी

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

माही की गूंज, अलीराजपुर।

नगर के बहारपुरा क्षेत्र में सोमवार सुबह मामूली विवाद को लेकर एक परिवार के तीन लोग शोएब पिता अब्दुल गनी, शाहरुख पिता अब्दुल गनी, अब्दुल गनी पिता मजीद निवासी बहारपूरा के द्वारा आतंक फैलाकर काले खान मंसूरी आटा चक्की वाले के घर में घुसकर उनके परिवार के इमरान मंसूरी व इरसाद मंसूरी पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में इमरान का सिर फट गया व इरशाद मंसूरी के सिर में चोट आई, जिन्हें अलीराजपुर के जिला चिकित्सालय में ईलाज के दौरान टांके लगाकर गम्भीर अवस्था मे बड़वानी के अस्पताल में रैफर किया गया। आरोपी ऐसा आतंक फैलाकर क्षेत्र में अपनी धाक जमाना चाह रहे है। इन लोगो ने कुछ दिन पूर्व ही दूसरे मोहल्ले में भी मारपीट की थी। पुरी घटना पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत शोएब गनी, शाहरुख गनी, अब्दुल गनी पर प्रकरण दर्ज किया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में कड़कनाथ उत्पाद संगठन से चर्चा करने पहुंचे कलेक्टर

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा बुधवार सुबह कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ पहुंचे। यहां पर कड़कनाथ किसान उत्पाद संगठन के सदस्यों से कड़कनाथ पालन हेतु स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए। यहां पर कलेक्टर मिश्रा ने कड़कनाथ पालन हेतु चुजे की हैचरी का अवलोकन किया तथा यहां उन्नत फसल के संबंध में यहां पर किये जा रहे कार्यों का अवलोकन किया। यहां पर उन्नत बकरी पालन केन्द्र का भी अवलोकन किया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एलएन गर्ग, नार्बाड प्रतिनिधि अलूने, वरिष्ट वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र आईएस तोमर उपस्थित थे।

मिश्रा ने 6 हितग्राहियों को मुर्गे, चुजे पालन करने हेतु स्वीकृति आदेश प्रदान किए। मिश्रा ने उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से टीकाकरण के बारे में भी चर्चा की एवं शतप्रतिशत महिलाओं ने टीकाकरण करवाने पर धन्यवाद दिया। महिलाओं से चर्चा करते हुए बताया कि पशुपालन से आप अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकते है। पशु पालन के क्षेत्र में जो भी कृषक आगे आना चाहते है। हम उन्हें उन्नत पशु एवं आर्थिक सहायकता उपलब्ध करावाने के लिये तैयार है। यह प्रशिक्षण आपको पशुपालन के क्षेत्र में आपके ज्ञान में वृद्धि करेगा एवं यहां से जो आपने जो सिखा है अपने आस-पास के लोगों को भी बताए जिससे वे पशुपालन के क्षेत्र में कार्य कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे।

बस-बाइक की भिड़त, एक की मौत

हत्यारी बस।

बाइक पर बैठकर जा रही परिचित लड़की, अंकित की मौत पर मोके पर रो-रोकर हुई बेहाल।

युवा अंकुर (भोला) अंतरोल।

माही की गूंज, बामनिया।

रोज़ की तरह बामनिया से पेटलावद अपनी बाइक से नोकरी पर जा रहे अंकुर (भोला) पिता धीरज उर्फबंटी अंतरोल (21) को ये नही पता था कि आज का यह बामनिया-पेटलावद का सफर उसका अंतिम सफर होगा। बामनिया से अपनी परिचित लड़की जो भी पेटलावद ड्यूटी पर अंकुर के साथ बाइक पर बैठकर जा रही थी कि, चापालदा घाटी के नीचे से अचानक सामने से आ रही बस क्र. एमपी 13 जीए 0453 से भिड़त हो गई जिससे अंकुर (भोला) की दुर्घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बताया जा रहा है कि, मोटर साइकिल सवार अंकुर के साथ बामनिया की ही एक लड़की भी थी जिसे ज्यादा चोट नही आई है। अंकुर उर्फ भोला व्यवहारिक ओर मिलनसार लड़का था, हमेशा कुछ नया करने का जज्बा उसमें था। दुर्घटना में उसकी मौत की खबर से परिवार ओर उसके दोस्तों में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं साथ में बाइक पर बैठकर जा रही लड़की भी परिचित अंकुर की दुर्घटना में पल भर में ही मौत हो जाने से रो-रोकर बैहाल सी हो गई।

टीकाकरण महाअभियान में कलेक्टर ने वैक्सीनेशन सेंटरों का किया निरीक्षण

हर टीकाकरण केन्द्र पर शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन हो इसके उपरान्त ही सेंटर बंद करें- कलेक्टर

माही की गूंज, झाबुआ।

टीकाकरण महाअभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के द्वारा सघन रूप से टीकाकरण केन्द्रों का निरीक्षण किया। प्रथम टीकाकरण केन्द्र बुनियादी स्कूल झाबुआ के टीकाकरण केन्द्र का निरीक्षण किया एवं यहां उपस्थित नोडल अधिकारी से शतप्रतिशत टीकाकरण करवाने के निर्देश दिये। इसके पश्चात दिलीप गेट स्थित जैन मंदिर में स्थापित टीकाकरण केन्द्र का निरीक्षण किया। यहां पर रोटल क्लब के द्वारा शासन को सहयोग किया जा रहा है। यहां पर उपस्थित रोटरी क्लब के अध्यक्ष श्री मनोज अरोडा एवं श्री नाना भाई राठौड से चर्चा की एवं शतप्रतिशत टीकाकरण करवाने के लिये कहा। इसके पश्चात कल्याणपुरा में स्थापित टीकाकरण केन्द्र पहुंचे यहां पर सरपंच , सचिव से चर्चा की एवं निर्देश दिये की यहां पर शतप्रतिशत टीकाकरण करवाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं करें। टीकाकरण यदि शतप्रतिशत नहीं होता है एवं ऐसा लगता है कि प्रयास ढंग से नहीं किये गये है ऐसी स्थिति में जो भी जिम्मेदार हो उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।शासन का प्रथम लक्ष्य लोगों का जीवन बचाना है। इसके लिये किसी प्रकार का समझोता नहीं किया जा सकता। इसके पश्चात बरखेडा टीकाकरण केन्द्र पहुंचे। इसके पश्चात ग्राम पंचायत साड पहुंचे। इसके पश्चात ग्राम पंचायत भूराडाबरा पहुंचे यहां पर चल रहे टीकाकरण के लिये असंतोष व्यक्त किया। इसके पश्चात ग्राम पंचायत माछलिया पहुंचे, इसके पश्चात कालीदेवी पहुंचे एवं यहां से सीधे ग्राम पंचायत रोटला पहुंचे। इसके पश्चात ग्राम पंचायत रजला में वैक्सीनेशन सेंटर का अवलोकन किया एवं इसके पश्चात वैक्सीनेशन सेंटर ग्राम परतली का अवलोकन किया। इसके पश्चात जनपद पंचायत राणापुर में जनपद स्तर के अधिकारियों से चर्चा की एवं निर्देश दिये की क्षेत्र में शतप्रतिशत वैक्सीनेशन और घर-घर जाकर वैक्सीनेशन के लिये जन जागृति के माध्यम से लोगों के पास पहुंचे।

वेक्सीनेशन अभियान में लिया लोगो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा

माही गूंज खबर, झकनावदा।

कोरोना वैक्सीनेशन के दो दिवसीय महाअभियान के अंतर्गत झकनावदा व भैरुपाड़ा में वैक्सीनेशन का शुभारंभ ग्राम के जनप्रतिनिधियों के द्वारा किया गया। बीएमओ एमएल चोपड़ा ने बताया कि, 150 डोज कोविशिल्ड के प्राप्त हुए है। वैक्सीनेशन महाअभियान 02 के शुभारंभ के अवसर पर सीएचओ योगेंद्र टाक, एएनएम संगीता मोरी एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित थे। अभियान के तहत बीएमओ चोपड़ा द्वारा झकनावदा सहित क्षेत्र के वेक्सीन सेंटर का दौरा कर वहाँ की व्यवस्था का जायज़ा लिया।

माही की गूंज, थांदला।

टीकाकरण महाअभियान को लेकर प्रशासन के साथ ही लोगो में भी उत्साह देखा गया। नगर के दो केन्द्र सिविल अस्पताल व वागडिया फलिया स्कुल पर लोगो की भीड लगी रही है, वही ग्रामीण क्षैत्रो मे भी टीकाकरण केन्द्रो पर लोग टीका लगवाने पहुंच रहे थे। लोगो में भी टीकाकरण को लेकर फैली भ्रांतिया दूर होने से लोग टीकाकरण केन्द्रो तक पहुंच रहे है जिसे देखकर प्रतीत होता है कि, प्रशासन के प्रयासो को सफलता मिल रही है। टीकाकरण महाअभियान के तहत ब्लाक मे बुधवार को 7 हजार 500 व गुरूवार को 2 हजार टीकाकरण का लक्ष्य दिया गया है, करीब 40 केन्द्रो पर औसत 150 टीके का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। टीके की रफ्तार धीमी नही हो तथा केन्द्र पर टीके की वजह आपूर्ति पर्याप्त रखने के लिए ब्लाक के हरिनगर, परवलिया, खवासा, काकनवानी स्वास्थ्य केन्द्रो पर टीक का स्टाक रखा गया, जिसे जरूरत पडने पर आस-पास के केन्द्रो पर तत्काल पहुंचाया जा सके।

थांदला

झकनावदा

बीएमओ अनिल राठौर ने बताया कि, क्षैत्र मे टीकाकरण की स्थित काफी अच्छी है महाअभियान के पूर्व ब्लाक मे 39 प्रतिशत टीकाकरण किया जा चुका है। महाअभियान से इसे और गति मिलेगी, जिससे हमारा ब्लाक 45 प्रतिशत के आस-पास पहुच जाएगा। ब्लाक मे टीकाकरण के मामले मे ग्राम भामल करीब शत् प्रतिशत के पास पहुंच चुका है तथा तलावडा मे स्थिति सबसे ज्यादा कमजोर है, वहॉ पर हमारी टीम अतिरिक्त प्रयास कर रही है। लोगो को समझाने के लिए सभी स्तर पर प्रयास किए जा रहे है।

पैसा लगाओ और मनचाही जगह स्थानांतरण पाओ, न नए सीईओ आए न पुराने रवाना हुए

सरकार की ट्रांसफर नीति पर उठ रहे सवाल

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

जनपद पंचायत पेटलावद में कहने को तो विगत चार माह में जनपद सीईओ के अलग-अलग तीन तबादले हो गए, लेकिन सरकार की व्यवस्था अनुसार कोई भी अधिकारी अब तक इधर-उधर नही हो पाए है और सरकारी आदेशो को हवा में उड़ाकर अपने चयनित स्थान पर जाने की जुगाड़ में लगे हुए है। पेटलावद जनपद में पदस्थ सीईओ एनएस चौहान का ट्रांसफर सीधी जिले में हो चुका है, इनके स्थान पर खरगोन जिले की भिकनगांव तहसिल के सीईओ राजेश बोहती को पेटलावद भेजा गया था। लेकिन चौहान रिलीव नहीं हुए ओर न्यायालय की शरण मे चले गए, तो राजेश बाहेती ने आत्महत्या कर ली।

सरकार द्वारा नई तबादला नीति लागू करने के बाद शुरूआत में ही देवास जिले के अमित व्यास का ट्रांसफर पेटलावद जनपद के लिए किया गया और समय सीमा में पहुंचकर प्रभार लेने के भी निर्देश जारी किए गए थे। लेकिन लगभग एक माह का समय बीत जाने के बाद भी नए सीईओ ने अब तक प्रभार नही लिया है। वही वर्तमान सीईओ भी सीधी जिले के लिए अब तक रवाना नहीं हुए है, जबकि उनके द्वारा स्टे में दिया कारण भी वर्तमान में समाप्त हो चुका है।

जानकारी अनुसार पेटलावद जनपद में पदस्थ सीईओ चौहान अपना स्थान्तरण सीधी जिले से निरस्त करवाने की जुगाड़ में है और अपने गृह जिले धार में जाना चाहते है। चौहान का गृह जिला होने के कारण धार जाना लगभग कैंसल हो गया है और जमी-जमाई जुगाड़ बिगड़ गई है। अब बताया जा रहा है कि, सीईओ साहब अपना मामला बड़वानी जिले में जमाना चाहते है जिसकी तैयारी में लगे है और तब तक स्टे के नाम पर यहीं जमे रहेंगे, इसके लिए आने वाले सीईओ से भी पटरी भी बिठा ली है।

नए सीईओ अमित व्यास का कहना है कि, अभी शासन की ओर से ऑर्डर नही मिले है तथा यहां से रिलीव किए जाने के बाद ही पेटलावद में आ सकता हुं। कुल मिलाकर सरकार की प्रशासकीय व्यवस्था को दुरुस्त करने की मंशा पर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा पानी फेरा जा रहा है और इसकी आड़ में अधिकारी सरकार द्वारा तय किए गए नियत स्थान पर जाने की बजाए अपने मनचाहे स्थान पर जाने के लिए भरपुर समय दिया जा रहा है।

समस्याओं से ग्रसित ग्राम को हरा-हरा बताने वाले स्वार्थियों को कलेक्टर व मंत्री ने सम्मानित कर सम्मान को किया अपमानित

माही की गूंज, झकनावदा। आनंद सोलंकी

ग्राम पंचायत के सचिव एवं सांसद प्रतिनिधि को कलेक्टर सोमेश मिश्रा, प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार ने 100 प्रतिशत कोविड-19 वैक्सीनेशन कार्य पूर्ण करवाने का श्रेय देते हुए 15 अगस्त को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। असल में जिन्हें सम्मानित किया वे उसके हकदार नहीं हैं। क्योंकि शासन के निर्देशानुसार जो सरकारी कर्मचारी हैं उनके परिवार की पूरी जानकारी मांगी गई कि, आपके परिवार में 18 वर्ष से ऊपर कितने लोग हैं, जिनको कोविड-19 वैक्सीन लग चुकी है और अगर नहीं लगी है, तो जल्दी से लगाओ नहीं तो आपकी सैलरी रुक जाएगी ऐसे कड़े निर्देश शासन द्वारा दिए गए थे। उसके बाद ही वैक्सीनेशन प्रतिशत बढ़ता ही गया। असल में ग्राम के समस्याओं से ग्रसित होने के बावजुद ग्राम को हरा-हरा बताने वाले स्वार्थियों को कलेक्टर व प्रभारी मंत्री जी ने सम्मानित कर सम्मान को अपमानित कर दिया।

एक और प्रशस्ति पत्र झकनावदा ग्राम की ओर से पंचायत सचिव को मिलना चाहिए। क्योंकि इन्होंने गांव की समस्या की ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया। आज भी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है और विकराल रूप ले रही है। हर तरफसमस्या ही समस्या है और गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ग्राम की शान की बात तो यह है कि, यहां से एक कांग्रेस की ओर से विधायक प्रतिनिधि एवं भाजपा की ओर से सांसद प्रतिनिधि पेटलावद तहसील का प्रतिनिधित्व करते हैं। उसके बाद भी शासन की जितनी भी जन हितेषी योजनाएं आती है केवल कागजों पर ही सिमट कर रह जाती है और पात्र लोगों को उनका लाभ नहीं मिल पाता है।

मुख्य बस स्टैंड का हाल बेहाल

बस स्टेशन पर देखो तो चारों तरफगंदगी ही गंदगी पसरी है। पास ही शौचालय बना हुआ है, जहां पर साफ-सफाई का कोई ध्यान नहीं रखा जाता है। शौचालय की दीवार पर एक स्लोगन लिखा है ÷एक कदम स्वच्छता की और÷, वहीं शौचालय के सामने पॉलिथीन एवं गंदगी बिखरी पड़ी है। प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही है और ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों का इस ओर कोई ध्यान नहीं है।

पंचायत ने बिगाड़ा कचरा वाहन का मैनेजमेंट

प्रशासन द्वारा प्रदत कचरा वाहन को भी ग्राम पंचायत झकनावदा पूर्ण रूप से चला नहीं पा रही है, केवल एक दिन छोड़कर ग्राम में कचरा वाहन कचरा घर-घर से ले जाता है। अब सवाल यह उठता है कि, क्या जिले की हर पंचायत में एक नियम है की कचरा वाहन केवल एक दिन छोड़कर ही चलेगा। अगर ऐसा नहीं है तो फिर यहां पर क्यों? क्या ग्राम पंचायत झकनावदा के पास डीजल के इतने पैसे भी नहीं हैं कि, वह कचरा वाहन में डीजल डलाकर उसे सुचारू रूप से चला सके और गांव की गंदगी को दूर कर स्वच्छता अभियान को चार चांद लगा सके।

ग्राम की नालियों पर आज तक नहीं लगी जाली

ग्राम की मुख्य गलियों में घूमो तो कंक्रीट से नालिया बनी है वह चोड़ी नहीं है और उन पर लोहे की जाली भी नहीं लगी है। दो पहिया या चार पहिया वाहन जब गलियों से निकलते हैं तो उन्हें 'जोर का झटका धीरे से लगता है' और वाहन क्षतिग्रस्त हो जाता है, कभी-कभी तो लोग दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। परंतु पंचायत आज भी आंख मूंदकर बैठी हैं।

राजगढ़-रतलाम रोड बना तालाब

कुछ ऐसा ही बिगड़ा सा हाल राजगढ़-रतलाम रोड का भी है। रोड़ पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं और वाहन चालकों को गड्ढे में रोड को ढूंढने पर मजबूर होना पड़ता है, वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो जाता है। उक्त मामले को लेकर पूर्व जिला कलेक्टर को भी अवगत करवाया गया, लेकिन आज तक समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। हर वर्ष बरसात होती है और इस रोड पर राहगीर परेशान हो जाते हैं, कभी-कभी तो कीमती सामान रोड पर बड़े-बड़े गड्ढे में गिर जाते हैं। साथ ही ग्राम पंचायत भवन से थोड़ी दूर मोड में एक छोटा तालाब दिखाई देगा, जहां पर आए दिन लोग इस गंदे पानी में गिर जाते हैं। उक्त समस्या को लेकर गांव के कुछ नागरिकों ने 181 सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज करवाई, उसके बाद भी समस्या का कोई उचित निराकरण नहीं हुआ।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारी वेद शुक्ला कहते हैं कि, यह रोड अब पीडब्ल्यूडी विभाग में चला गया है और उनके पास भी फंड नहीं आया है, हमने प्रस्ताव भेज दिया है। अब प्रश्न यह उठता है कि, लाखों-करोड़ों रुपए हर वर्ष लोगों की सुरक्षा को देखते हुए ग्रामीण सड़कों के लिए मंजूर होते हैं, उसके बाद भी अधिकारी लोगों का जवाब हमेशा यही क्यों आता है कि, हमारे पास अभी फंड नहीं है, फंड आएगा जब देखेंगे आप अपनी शिकायत वापस ले लो। आखिर में इतना पैसा जाता कहां है...? शायद सारा पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है तभी तो झूठे आश्वासन की जगह जनता को कुछ भी नहीं मिलता। इस लंबे समय से चले आ रहे मामले को कलेक्टर को संज्ञान में लेकर उचित हल निकालना चाहिए।

झूठी थी महिला की शिकायत...

पुलिस जांच में भाजपा जिलाध्यक्ष और एक अन्य पर नहीं बनता कोई अपराध, सीएम हेल्पलाइन पर किया निराकरण

भाजपा नेताओं के लिए बयान, दस्तावेज के नाम पर जांच बाकी होने का दिया जा रहा हवाला

माही की गूंज, झाबुआ।

पुलिस व्यवस्था की पीठ थपथपाई जाए या सत्तापक्षीय दबाव में पुलिस का काम करना कहां तक जायज है। खैर जो भी हो पिछले एक वर्ष से चल रहे भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक और बामनिया के भाजपा नेता ब्रजभूषण परिहार पर महिला द्वारा लगाए गए योन शोषण मामले में पुलिस जांच में क्लीन चिट देकर कहा है कि, महिला की शिकायत पर किसी प्रकार का मामला दर्ज नही होता। हालांकि यही बात पुलिस ने अब तक महिला को लिखित में नही दी है और वॉइस रिकॉर्ड की रिपोर्ट आने का इंतजार करने की बात कही है। जबकि पुलिस ने सीएम हेल्पलाइन के चौथे लेवल पर चल रही शिकायत पर एक बार फिर जवाब देते हुए महिला की शिकायत को झूठी और द्वेषपूर्ण करार दिया है।

जांच में भाजपा नेताओं के किए बयान दर्ज, योन शोषण मामले में पहली बार हुई ऐसी जांच

महिला अपराधों को लेकर सरकार और पुलिस दोनों लगातार काम कर बड़े-बड़े दावे कर रही है। महिलाओं से जुड़ी शिकायतों पर ज्यादातर तुरंत मामले दर्ज होते रहे है और बाद में जांच के नाम पर लोगो को गुमराह किया जाता है। लेकिन सत्तापक्ष से जुड़े होने के कारण मामले में लंबी जांच चलती रही। जांच में सबसे बड़ी चौकाने वाली बात ये है कि, पुलिस ने भाजपा नेताओं के बयान दर्ज किए जिसमे भाजपा पेटलावद मण्डल के अध्यक्ष, ग्राम पंचायत उपसरपंच, जनपद सदस्य के पति के भी बयान दर्ज किए गए है, जो कही न कही मामले को दबाने की और इशारा कर रहे है। इस प्रकार के मामले में पहली बार जिले की पुलिस की और से ऐसी जांच की गई है।

पीड़िता को नहीं दिए दस्तावेज, जांच जारी दो बार हेल्पलाइन पर कर दिया निराकरण

पीड़िता द्वारा दो बार जांच संबंधी दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति मांगने पर भी नहीं दिए गए और अभी तक जांच का हवाला दिया जा रहा है। अभी कुछ दिन पूर्व में पीड़िता के पति को जांच अधिकारी सौनु डावर द्वारा ऑडियो सेम्पल की रिपोर्ट आने के बाद जांच समाप्त होने ओर निराकरण कर प्रमाणित दस्तावेज देने को कहा था। सीएम हेल्पलाइन पर दो बार निराकरण करने वाली पुलिस अब तक पीड़ित महिला को दस्तावेज नही दे सकी है। जो विचारनिय है।

उत्कृष्ट मैदान में किया घटिया निर्माण, जिम के नाम पर लगा दिए झूले-चकरी

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दस लाख रुपए के खर्च से किया निर्माण

माही की गूंज, पेटलावद।

खेल और स्वास्थ्य को बढ़वा देने के नाम पर कुछ ठेकेदार सरकार से मिलकर चुना लगाने का काम कर रहे है। सरकार बैठे-बैठे माल कमाने की योजना बनाकर लाखो रुपए के टेंडर निकालकर सप्लायर्स को लाभ देने की योजना बनाकर जनता के पैसे का धुंआ उड़ा रही है।

पेटलावद उत्कृष्ट स्कूल मैदान में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दस लाख रूपए के खर्च से उत्कृष्ट स्कूल मैदान पर जिम का निर्माण किया गया है, जो जिम कम और किसी बगीचे में लगे झूले-चकरी ज्यादा लग रहे है। ठेकेदार ने खुले में ही फेवर लगाकर सामान लगा दिया, जिसकी सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम नही किए गए। जिस प्रकार से ओपन जिम का निर्माण किया गया, तय है जिम का सामान कुछ ही दिन में भंगार होकर देख-रेख के अभाव में गायब हो जाएगा। बताया जा रहा है कि, जिले की हर विकास खण्ड में दो ओपन जिम दस लाख रूपए की लागत से खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माध्यम से बनाए जाना है। लेकिन मौके पर हुए कार्य और सामान को देखकर ही पता चलता है कि, उक्त जिम के निर्माण में 5 लाख रूपए भी खर्च नही किए गए है।

15 लाख की जिम सड़ चुकी है, बच्चों ने नही देखी जिम, सामान भी हुआ गायब

जानकारी अनुसार पूर्व में बालक उत्कृष्ट स्कूल में लगभग 15 लाख रूपए की लागत की जिम का सामान आया था, लेकिन उस सामान का क्या हुआ किसी को नही पता। स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों ने जिम के सामान का न तो उपयोग किया न ही सामान देखा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा पूर्व में दिए सामान की सूद लिए बिना दस लाख की लागत से ओपन जिम बना दी।

कांग्रेस विधायक प्रतिनिधि जीवन ठाकुर का आरोप है कि, सरकार अपने करीबियों को लाभ देने के लिए शासकीय परिसरों का उपयोग कर जबरन खर्चे कर रहे है, जबकि पूर्व में भी लाखों का सामान स्कूलों को दिया गया था जिसका कोई अता-पता नही है।

अन गिनत शिकायत के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई...?

आतंक: गाँव छोड़कर बेटी के घर शरण लेने पर मजबूर परिवार, जान से मारने की धमकी देकर जमीन पर जमा लिया कब्जा

माही की गूंज, पेटलावद।

आदिवासी बाहुल्य में पारिवारिक विवाद और जमीन के विवाद होना कोई नई बात नही और मामले पुलिस व प्रशासन के पास जाने के बाद उनकी और से की जाने वाली सार्थक पहल के बाद कई मामले न्यायालय में जाए बिना ही समाप्त हो जाते है। लेकिन कई बार पुलिस और प्रशासन की लापरवाही के कारण छोटे-छोटे मामले बड़े अपराध में तब्दील हो जाते है। जिसके बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आकर मौके पर जाकर त्वरित निराकरण करते है, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होती है।

मामला विकास खण्ड की ग्राम पंचायत छोटी गहण्डी का है। पारिवारिक विवाद के चलते वरसिंह पिता नानाजी निनामा अपने ही घर मे नही रह पा रहा है और परिवार सहीत गाँव से दूर टाकापाड़ा अपनी बेटी के घर शरण लेनी पड़ी है। विपक्षियों की और से आए दिन विवाद, झगड़े और जान से मारने की धमकी की वजह से पिछले दो माह से परिवार बेटी के घर रहकर दहशत में जीवन जीने पर मजबूर है।

पुलिस चौकी से लेकर कलेक्टर, एसपी तक लगाई गुहार, नही हुई कोई सुनवाई

मामला पेटलावद थाने की बामनिया चौकी का है, जहां परेशान बुजुर्ग वरसिंह निनामा ने कई बार लिखित आवेदन देकर विवाद की जानकारी पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने कोई सूद नही ली। परेशान बुजुर्ग कलेक्टर और एसपी तक आवेदन देकर आया, लेकिन जिला मुख्यालय से मिले निर्देश शायद स्थानीय स्तर पर आकर वही भाषा बोल गए। वरसिंह निनामा के पास सभी शिकायतो की प्रतिलिपि मौजूद है, जिसके अनुसार जालु पिता मांगू निनामा सहित 6 लोगो के खिलाफशिकायत की है। सबसे पहले बामनिया चौकी पर 26 जुन और 27 जून 2021 को शिकायत की, फिर 30 जून को दोबारा पुलिस चौकी बामनिया पर शिकायत की गई। सुनवाई नही होने पर 13 जुलाई को जिला कलेक्टर को आवेदन दिया। आरोपियों में एक महिला सरकारी कर्मचारी है जिसकी शिकायत भी 13 जुलाई को महिला परियोजना अधिकारी को की गई। कोई सुनवाई नही होने पर 27 जुलाई को एसपी झाबुआ को शिकायत की गई और 20 अगस्त को फिर से पुलिस चौकी बामनिया पर आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन कोई सुनवाई नही हुई।

वरसिंह पिता नानाजी निनामा।

शिकायतकार्ता ने विपक्षियों द्वारा की जा रही गाली-गलौच ओर हथियार लहराते हुए जान से मारने की धमकी देने और किसी भी शिकायत पर कोई कार्रवाई करने वालो को भी मार देने की धमकी के वीडियो व ऑडियो तक पुलिस को उपलब्ध करवाए है, लेकिन कोई कार्रवाई नही हुई। परेशान परिवार धमकी और विवाद से डरकर अपना घर-बार छोड़कर जाने पर मजबूर हो गया।

कृषि भूमि पर भी किया कब्जा, एसडीओपी और एसडीएम से लगाई गुहार

पूरा मामला जमीन विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। जिसमे पीड़ित पक्ष का कहना है कि, विपक्षी एक ही परिवार के होकर लगभग 40 वर्ष पूर्व ही बंटवारा हो चुका है। लेकिन विपक्षी आज भी पीड़ित पक्ष की कब्जे वाली भूमि हथियाने के उद्देश्य से विवाद कर रहे है और पीड़ित वरसिंह निनामा के नाम से राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज सर्वे नबंर 558 की भूमि जिस पर वरसिंह का परिवार वर्षो से कृषि करता आ रहा है, विपक्षियों ने विवाद कर उक्त भूमि छीन कर कब्जा जमा लिया है। पीड़ित वरसिंह निनामा ने एसडीएम पेटलावद और एसडीओपी पेटलावद को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है, ताकी अपने घर जा सके।

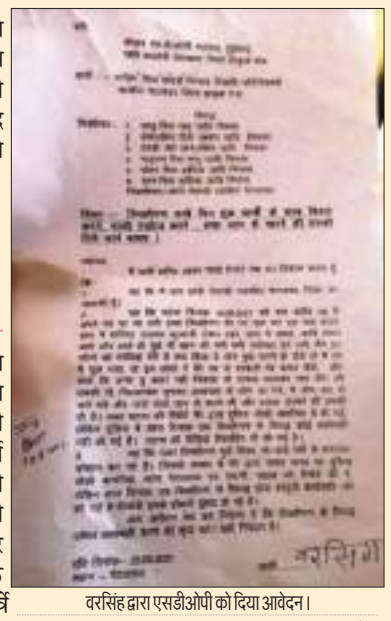

वरसिंह द्वारा एसडीओपी को दिया आवेदन।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422